www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 126 | जौनपुर शनिवार, 20 दिसम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

नाकारात्मक नेतृत्व के कारण कांग्रेस के घर में ही हाहाकार मचा : मुख्तार अब्बास नकवी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस शासित कर्नाटक राज्य में गृहलक्ष्मी योजना को लेकर हंगामा देखने को मिल रहा है। योजना के तहत नियमित राशि का भुगतान नहीं होने पर भाजपा प्रवक्ता मुख्तार अब्बास नकवी ने कांग्रेस पर निशाना साधा। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा, एक के बाद एक करके कांग्रेस के घर में जो घमासान दिखाई पड़ रहा है, उसका एक ही कारण है कि अगर नेतृत्व खुद नकारात्मक रहेगा, तो खुद उनके घर में हाहाकार, हंगामा और हुड़दंग मचा रहेगा। जो कुछ भी कर्नाटक में हो रहा है, इसी का प्रभाव देखने को मिल रहा है। उसमें भी उठा–पटक दिखाई दे रही है। अपना घर उनसे संभाला नहीं जा रहा है और मोहल्ले में बचाओ–बचाओ का शोर मचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक चीज बिल्कुल साफ है कि कांग्रेस पार्टी और उनके नेता राहुल गांधी हिट एंड रन के हुल्लड़ का कुल्हड़ बन गए हैं। अब अगर कोई ऐसा बन जाए, तो बाउंड्री के अंदर रहेगा तो नो बॉल करेगा और बाउंड्री के बाहर जाएगा तो बाउंसर मारेगा। संवैधानिक मूल्यों और मर्यादाओं से जुड़े हुए सवाल पर जिस प्रकार से वे व्यवहार और दुष्प्रचार कर रहे हैं, वो गलत है। वे देश में रहते हैं, तो भी दुष्प्रचार और बाहर जाते हैं तो भी देश के बारे में नकारात्मक बातें फैलाते हैं।

माघ मेले में पहली बार स्कैन टू फिक्स तकनीकी का होगा इस्तेमाल

प्रयागराज, (संवाददाता)। प्रयागराज के संगम किनारे 3 जनवरी से आयोजित होने वाले आस्था के जन समागम माघ मेले में सभी विभाग अपनी तैयारियां पूरी करने में युद्ध स्तर पर लगे हुए हैं। बिजली विभाग 800 हेक्टेयर में फैले इस माघ मेले में निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने की अपनी तैयारी में लगा है। इसके लिए इस बार विभाग ने कई नव्य प्रयोग किए हैं। त्रिवेणी के तट पर 44 दिनों तक लगातार चलने वाले माघ मेले में संगम की रेत पर तंबुओं का एक अस्थाई शहर बसाने की तैयारी है। तंबुओं के इस शहर का कोना–कोना रोशन रखने के लिए बिजली विभाग ने अपनी तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं। बिजली विभाग के अधिशाषी अभियंता (माघ मेला) अशोक कुमार शर्मा बताते हैं कि माघ मेले में इस बार 350 किमी लंबी एलटी की लाइन बिछनी थी, जिसमें 320 किमी बिछ चुकी है। मेले में 7.5 लाख विद्युत कनेक्शन देने के साथ 24–7 बिजली मिलती रहे, इसके लिए नए प्रयास किए गए हैं। माघ मेले में विद्युत आपूर्ति से जुड़ी हर समस्या के त्वरित समाधान के लिए पहली बार स्कैन टू फिक्स तकनीकी का इस्तेमाल किया जा रहा है। मेले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि स्कैन टू फिक्स तकनीकी के अंतर्गत विद्युत विभाग ने माघ मेले में पहली बार हाईटेक श्बारकोड सिस्टम्य लागू किया है।

पीएम मोदी ने पारंपरिक चिकित्सा पर दूसरे डब्ल्यूएचओ ग्लोबल समिट को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरुवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को पारंपरिक चिकित्सा पर दूसरे डब्ल्यूएचओ ग्लोबल समिट के समापन समारोह को संबोधित करेंगे।पीएमओ ने कहा, ष्प्रधानमंत्री मोदी ने रिसर्च, मानकीकरण और वैश्विक सहयोग के माध्यम से पारंपरिक चिकित्सा और भारतीय ज्ञान प्रणाली को मुख्यधारा में लाने पर लगातार जोर दिया है।ष कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री आयुष क्षेत्र के लिए एक मास्टर डिजिटल पोर्टल, माई आयुष इंटीग्रेटेड सर्विसेज पोर्टल (एमएआईएसपी) सहित कई महत्वपूर्ण आयुष पहलों की शुरुआत करेंगे। वह आयुष मार्क का भी अनावरण करेंगे, जिसे आयुष उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता के लिए एक वैश्विक बेंचमार्क के रूप में देखा जा रहा

है।इसके अलावा, पीएम मोदी से योग में प्रशिक्षण पर डब्ल्यूएचओ की तकनीकी रिपोर्ट और श्फ्रॉम रूट्स टू ग्लोबल रीचरू आयुष में 11 साल का परिवर्तनश नामक पुस्तक जारी करने की उम्मीद है। भारत की पारंपरिक औषधीय विरासत की वैश्विक गूंज के प्रतीक के रूप में, वे अश्वगंधा पर एक स्मारक डाक टिकट भी जारी करेंगे। पीएम 2021–2025 के लिए योग के प्रचार और विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को सम्मानित करेंगे, जो योग और इसके वैश्विक प्रचार के प्रति उनके निरंतर समर्पण को मान्यता देता है।ये पुरस्कार योग को संतुलन, कल्याण और सद्भाव के लिए एक कालातीत अभ्यास के रूप में फिर से पुष्टि करते हैं, जो एक स्वस्थ और मजबूत नए भारत में योगदान देता है। प्रधानमंत्री ट्रेडिशनल मेडिसिन डिस्कवरी स्पेस का भी दौरा करेंगेकृएक प्रदर्शनी जो भारत और दुनिया भर से पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान प्रणालियों की विविधता, गहराई और समकालीन प्रासंगिकता को प्रदर्शित करती है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने मध्य प्रदेश के सांसदों से टीबी मुक्त भारत अभियान तेज करने का आह्वान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश भवन में श्संसद सदस्य टीबी मुक्त भारत के लिए प्रतिबद्धश विषय पर आयोजित इस संवाद सत्र में टीबी उन्मूलन के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर कार्रवाई करने और विभिन्न दलों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने में निर्वाचित प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया गया। आज के सत्र में राज्य के सांसदों के साथ–साथ संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल और जनजातीय मामलों के राज्य मंत्री दुर्गादास उइके भी उपस्थित रहे। नड्डा ने सांसदों को संबोधित करते हुए तपेदिक के खिलाफ लड़ाई में भारत की महत्वपूर्ण प्रगति पर प्रकाश डाला। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की वैश्विक टीबी रिपोर्ट 2025 का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि 2015 से 2024 के बीच टीबी के मामलों में 21 प्रतिशत की कमी आई है, जो वैश्विक औसत गिरावट से लगभग दोगुनी है, साथ ही टीबी

से संबंधित मृत्यु दर में भी 25 प्रतिशत की कमी आई है। भारत ने उपचार में 90 प्रतिशत सफलता दर भी हासिल की है, जो वैश्विक औसत 88 प्रतिशत से कहीं अधिक है। उन्होंने इन उपलब्धियों का श्रेय निरंतर राजनीतिक नेतृत्व, सशक्त कार्यक्रम कार्यान्वयन और मजबूत जन भागीदारी को दिया, जिससे भारत टीबी उन्मूलन प्रयासों में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बन गया है।केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने आदिवासी और दुर्गम क्षेत्रों सहित राज्य द्वारा समुदाय–आधारित स्क्रीनिंग प्रयासों को तेज करने की प्रशंसा की।

तकनीक के साथ कदमताल जरूरी राष्ट्रपति मुर्मू का संदेश

हैदराबाद, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सार्वजनिक सेवा आयोगों से आह्वान किया है कि वे तेजी से बदलती तकनीक से जुड़ी चुनौतियों का पहले से अनुमान लगाएं और पारदर्शिता, विश्वसनीयता व ईमानदारी को अपनी चयन प्रक्रिया का मूल आधार बनाएं। उन्होंने कहा कि देश को ऐसे सिविल सेवकों की टीम चाहिए, जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी हो और जनसेवा के प्रति पूरी निष्ठा रखती हो। हैदराबाद में सार्वजनिक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि पीएससी की भूमिका केवल भर्ती तक सीमित नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं में भरोसा बनाए रखने की भी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उम्मीदवारों की ईमानदारी और सत्यनिष्ठा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भर्ती प्रक्रियाओं में डिजिटल टूल्स, डेटा सुरक्षा और नई तकनीकों का

समझदारी से उपयोग जरूरी है। इससे न केवल प्रक्रिया तेज होगी, बल्कि पारदर्शिता और निष्पक्षता भी मजबूत होगी। उन्होंने यह भी कहा कि च्ै को ऐसे अधिकारियों का चयन करना चाहिए, जो नीति–निर्माण, प्रशासन और जनसेवा में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप काम कर सकें। इससे भारत की प्रशासनिक क्षमता और वैश्विक छवि दोनों मजबूत होंगी। इस अवसर पर तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, यूपीएससी चेयरमैन अजय कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

नए स्वरूप में दिखेगा भातखंडे विवि : योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय अब जल्द ही अपने नए स्वरूप में नजर आएगा, इसके लिए लगभग छह एकड़ भूमि प्रदान की गई है, जहां वैश्विक मानकों के अनुरूप नया परिसर विकसित किया जाएगा। इसमें आधुनिक ऑडिटोरियम, ओपन थिएटर, समृद्ध लाइब्रेरी और अन्य सुविधाएं होंगी। पुराने परिसर को संगीत और कला के संग्रहालय के रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के तीन दिवसीय शताब्दी वर्ष समारोह का शुभारंभ किया। कलामंडपम प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में उन्होंने कहा कि राष्ट्र की आत्मा उसकी संस्कृति में होती है। जैसे किसी मनुष्य की आत्मा उसके

शरीर से संबंध तोड़ देती है तो शरीर निस्तेज हो जाता है, उसी प्रकार राष्ट्र की संस्कृति को उससे अलग कर दिया जाए तो राष्ट्र निस्तेज हो जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्थान ने सौ वर्षों में भारतीय संगीत, नृत्य, नाट्य और ललित कलाओं को न केवल संरक्षित किया है, बल्कि उन्हें आधुनिक शैक्षणिक व्यवस्था से जोड़कर प्रतिष्ठित भी किया है। उन्होंने कहा कि एक संस्कृति कर्मी भी राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने आजमगढ़ के हरिहरपुर में स्थापित संगीत महाविद्यालय का उल्लेख करते हुए कहा कि विवि से संबद्ध महाविद्यालयों में छात्रों को मंच प्रदान करने और सांस्कृतिक चेतना के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सृष्टि का पहला स्वर ओंकार है। विज्ञान, अध्यात्म और संस्कृति भी नाद योग की पुष्टि करते हैं। भातखंडे संस्कृति विवि का विजन भी यही है कि नाद के अधीन पूरा जगत है। इस दौरान उन्होंने महाकुंभ का भी उल्लेख किया और कहा कि 66 करोड़ श्रद्धालुओं में सबसे ज्यादा युवा थे। कार्यक्रम में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, एमएलसी मुकेश शर्मा, इंजीनियर अवनीश कुमार सिंह, लालजी प्रसाद निर्मल, रामचंद्र प्रधान, पवन चौहान, विधायक नीरज बोरा, विधायक अम्बरीश कुमार, विशिष्ट अतिथि पद्म विभूषण डॉ. सोनल मानसिंह, कुलपति प्रो. मांडवी सिंह, प्रमुख सचिव संस्कृति विभाग अमृत अभिजात, कुलसचिव डॉ. सृष्टि धवन समेत कला जगत की विभूतियां मौजूद रहीं।

जहाजों-बंदरगाहों की सुरक्षा के लिए ब्यूरो ऑफ पोर्ट सिक्योरिटी का गठन करेगी सरकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जहाजों और बंदरगाहों की सुरक्षा के लिए एक डेडिकेटेड ब्यूरो ऑफ पोर्ट सिक्योरिटी (बीओपीएस) के गठन से सम्बंधित समीक्षा बैठक की है। इस दौरान शाह ने देशभर में बंदरगाहों के लिए एक मजबूत सुरक्षा ढांचा स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि सुरक्षा उपायों को व्यापार क्षमता, लोकेशन तथा अन्य संबंधित मापदंडों को ध्यान में रखते हुए क्रमबद्ध और जोखिम के आधार पर लागू किया जाए। समीक्षा बैठक में केन्द्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री और केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री भी उपस्थित थे। बीओपीएस का गठन

हाल ही में अधिनियमित श्मर्चेंट शिपिंग एक्ट 2025 की धारा 13 के प्रावधानों के तहत एक वैधानिक निकाय के रूप में किया जाएगा। इस ब्यूरो का नेतृत्व एक महानिदेशक करेंगे। यह केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के अधीन काम करेगा। जहाजों और बंदरगाहों पर सुविधाओं की सुरक्षा से संबंधित नियामक एवं निरीक्षण कार्यों के लिए उत्तरदायी होगा। बीओपीएस का गठन की तर्ज पर किया जा रहा है। इसका का नेतृत्व भारतीय पुलिस सेवा के एक वरिष्ठ अधिकारी (वेतन स्तर–15) करेंगे। एक वर्ष की ट्रांजिशन अवधि के दौरान, नौवहन महानिदेशक (डीजीएस/ डीजीएमए), बीओपीएस के महानिदेशक के रूप में कार्य करेंगे। बीओपीएस, सुरक्षा संबंधी सूचनाओं का समयबद्ध विश्लेषण, संग्रहण और आदान–प्रदान सुनिश्चित करेगा, जिसमें साइबर सुरक्षा पर विशेष ध्यान होगा। इसमें बंदरगाहों की आईटी अवसंरचना को डिजिटल खतरों से सुरक्षित रखने के लिए डेडिकेटेड प्रभाग भी शामिल होगा। बंदरगाहों की सुरक्षा अवसंरचना को मजबूत करने के उद्देश्य से केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को बंदरगाह सुविधाओं के लिएनामित किया गया है। इसकी जिम्मेदारी बंदरगाहों का सुरक्षा मूल्यांकन और हिफाजत के लिए योजनाएं तैयार करना है।

जरात सरकार ने आम लोगों के लिए शुरू की ये सेवा, नागरिकों को मिला लाभ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रभावी सेवा वितरण सुनिश्चित करने और पारदर्शी, सरल और प्रौद्योगिकी–आधारित प्रशासन के माध्यम से सुशासन का मानक स्थापित करने के लिए आवश्यक राजस्व सुधार किए हैं। परिणामस्वरूप, गुजरात सरकार द्वारा लागू किए गए समग्र सुधार आज राज्य के किसानों, उद्योगों और विकास परियोजनाओं के लिए वरदान साबित हुए हैं। भूमि पंजीकरण से लेकर गैर–कृषि अनुमतियों तक की प्रक्रियाओं को सरल बनाकर, पारदर्शिता सुनिश्चित करके और डिजिटलीकरण करके, गुजरात सुशासन के एक आदर्श के रूप में उभरा है। इन सुधारों ने राज्य के विकास को नई गति प्रदान की है, जिससे ष्व्यापार करने में सुगमताष और ष्जीवन यापन में सुगमताष दोनों को मजबूती मिली है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग ने संपूर्ण डिजिटल शासन को गति प्रदान की है। ई–धारा जैसे प्लेटफार्मों को और मजबूत बनाया गया है, जिससे भूमि अभिलेखों की सुरक्षा और सटीकता सुनिश्चित हो सके और वे नागरिकों को शीघ्रता से उपलब्ध हो सकें। इसके

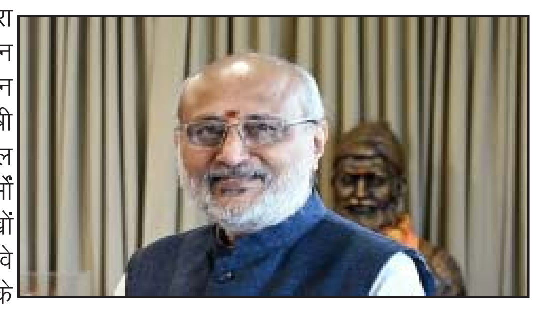

परिणामस्वरूप, भूमि संबंधी विवादों में उल्लेखनीय कमी आई है। कानूनी सुरक्षा उपायों को बनाए रखते हुए, गैर–कृषि (एनए) अनुमति प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए पूरी तरह से डिजिटाइज किया गया है। समय पर अनुमोदन से समय और लागत में कमी आई है, जिससे उद्योगों को लाभ हुआ है और किसानों के हितों की रक्षा हुई है। साथ ही, डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत, 34 जिलों में किए गए।

वित्त मंत्री ने पेश किया बिल, शेयर बाजार के कानूनों में बड़े बदलाव की तैयारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय शेयर और प्रतिभूति बाजार को अधिक पारदर्शी, सरल और सशक्त बनाने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक–2025 पेश किया। साथ ही उन्होंने इसे विस्तृत चर्चा और जांच के लिए संसद की स्थायी समिति के पास भेजने का प्रस्ताव भी रखा। कांग्रेस और डीएमके के सांसदों ने बिल का विरोध करते हुए तर्क दिया कि यह एक ही निकाय

को अत्यधिक अधिकार देता है, जो शक्तियों के पृथक्करण के लोकतांत्रिक सिद्धांत के खिलाफ है। जवाब में वित्त मंत्री ने कहा कि चूंकि बिल स्थायी समिति के पास जा रहा है, इसलिए इन सभी बारीकियों पर वहां विस्तार से चर्चा की जा सकती है। यह बिल कई अलग–अलग कानूनों को मिलाकर एकीकृत कोड बनाने का प्रस्ताव रखता है। इनमें सेबी एक्ट (1992), डिपोजेटरी एक्ट (1996), सिक्योरिटी कॉन्ट्रैक्ट एक्ट (1956) कानूनों को मिलाया जाएगा। सरकार का मानना है कि अलग–अलग कानूनों से नियमों में दोहराव व विसंगतियां पैदा होती थीं। निवेशकों और कंपनियों को दिक्कतें होती थीं। नया प्रतिभूति बाजार संहिता आने से नियमों के एक ही जगह होने से कंपनियों के लिए कानून का पालन करना आसान होगा। नियामक ढांचे में स्पष्टता आने से निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा। यह बिल बॉन्ड मार्केट को गहराई प्रदान करेगा और बाजार में अस्थिरता के समय सुरक्षा कवच की तरह काम करेगा। सरकारी कामकाज और निगरानी में सुधार होगा, जिससे व्यापारिक लागत में भी कमी आएगी। संसदीय समिति बिल पर अपनी रिपोर्ट अगले सत्र के पहले दिन तक सौंप सकती है।

गरीबी की गिरफ्त में फंसे लोगों के लिए एक नए सवेरे का उदय होना चाहिए - विजय

नई दिल्ली, (एजेंसी)। टीवीके के प्रमुख और अभिनेता विजय ने अपने प्रशंसको के प्यार और समर्थन के लिए आभार जताया है। उन्होंने कहा है कि उन्हें लोगों के असीम प्यार और समर्थन से अपार प्रेरणा मिली है। यह उनकी सबसे बड़ी प्रेरक शक्ति है। विजय ने ईरोड में अपनी जनसभा के बाद गुरुवार को एक भावपूर्ण सोशल मीडिया पोस्ट कर अपने कार्यक्रम में भारी संख्या में लोगों के आने और दिखाए गए स्नेह के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राजनीति में उनका प्रवेश उन लोगों के प्रति कृतज्ञता का ऋण है जिन्होंने उनके पूरे करियर के दौरान उनका पालन–पोषण और मार्गदर्शन किया। उन्होंने लिखा, "जीवन के हर पड़ाव पर आप लोगों

ने हमेशा मेरे साथ रहे हैं। आपके असीम प्रेम और समर्थन से मुझे अपार प्रेरणा मिलती है। यही प्रेरणा मेरी सबसे बड़ी प्रेरक शक्ति है। इसके साथ ही परिवर्तन की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि गरीबी की गिरफ्त में फंसे लोगों के लिए एक नए सवेरे का उदय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ष्समय को केवल लालसाओं और सपनों में ही नहीं बीतने देना चाहिए। इसीलिए मैंने यह राजनीतिक यात्रा शुरू की है ताकि मैं आपके लिए काम कर सकूं, जिन्होंने मुझे पाला–पोसा और मेरा आकार दिया। 18 दिसंबर के सफल आयोजन के बाद, विजय ने भव्य आयोजन के लिए पार्टी प्रशासनिक समिति के समन्वयक के.ए. सेंगोत्तैयान, महासचिव आनंद, राज्य कार्यकारिणी, अधिकारियों, स्वयंसेवकों और पुलिस को उनके कुशल यातायात और सुरक्षा व्यवस्था के लिए विशेष सराहना व्यक्त की। उन्होंने कहा, ष्हम फिर मिलेंगे। जीत निश्चित है।ष रैली के दौरान, विजय ने सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) पर तीखा हमला करते हुए इसे ष्बुरी ताकतष करार दिया। विजय ने दिवंगत मुख्यमंत्रियों एमजी रामचंद्रन और जे जयललिता की बात दोहराते हुए कहा कि वे अक्सर डीएमके को ष्तीया शक्तिष (बुरी ताकत) के रूप में वर्णित करते थे। उन्होंने टीवीके को ष्थूया शक्तिष (शुद्ध शक्ति) के रूप में स्थापित किया।ष एमजीआर और जयललिता ने डीएमके का पुरजोर विरोध किया।

संपादकीय

वोट चोरी बहस का विषय

वोट चोरी के इल्जाम में दम है या नहीं– यह बहस का विषय है। मगर, यह भी सच है कि उन प्रश्नों से इस नैरेटिव को वजन मिला है, जो राहुल गांधी ने लोकसभा में उठाए। उनकी मांगों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। चुनाव सुधार पर बहस के दौरान राहुल गांधी ने सरकार से तीन सवाल पूछे। ये वो सवाल हैं, जो सार्वजनिक दायरे में लगातार अहम बने रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने पूछा कि निर्वाचन आयुक्तों की चयन समिति से भारत के प्रधान न्यायाधीश को क्यों हटाया गया? यह प्रावधान क्यों किया गया कि पद पर रहते हुए निर्वाचन आयुक्त जो भी कार्य करेंगे, उनको लेकर उन पर कोई वैधानिक कार्रवाई नहीं की जा सकेगी? यह कानूनी व्यवस्था क्यों की गई कि चुनाव के सिर्फ 45 दिन बाद निर्वाचन आयोग सीसीटीवी और उससे हासिल डेटा को नष्ट कर सकेगा? केंद्र अगर चाहता है कि जनमत के एक बड़े हिस्से की निगाह में चुनावों की लगातार घट रही साख को बहाल किया जाए, तो उसे इन प्रश्नों के विश्वसनीय उत्तर जरूर देने चाहिए। दरअसल, गांधी ने जो चार मांगें रखीं, अगर उनके प्रति सरकार सकारात्मक रुख अपनाए, तो देश की चुनाव प्रक्रिया को और विवादित होने से बचाया जा सकेगा। ये मांगें हैंः चुनाव से कम–से–कम एक महीना पहले मशीन–रीडेबल वोटर लिस्ट जारी हो, सीसीटीवी फुटेज मिटाने वाला कानून वापस लिया जाए, विपक्ष को ईवीएम तक पहुंच मिले और उसका आर्किटेक्चर सार्वजनिक हो, तथा चुनाव आयुक्तों को सजा से बचाने वाला कानून बदला जाए। किसी तर्क से नहीं कहा जा सकता कि ये मांगे नाजायज हैं। चुनाव प्रक्रिया में सभी राजनीतिक दल समान हितधारक हैं। इसलिए इन मांगों का औचित्य स्वयंसिद्ध है। वोट चोरी के विपक्ष के इल्जाम में दम है या नहीं– यह अवश्य बहस का विषय है। निष्पक्ष नजरिए से इस दावे को स्वीकार करना कठिन है कि भाजपा की जीत सिर्फ वोट मैनेजमेंट से हो रही है। यह बात भी अपनी जगह सही हो सकती है कि कई दलों ने वोट चोरी की कहानी को अपनी नाकामियों को ढकने का बहाना बना लिया है। मगर, यह भी सच है कि उपरोक्त प्रश्नों से इस नैरेटिव को वजन मिला है। इसलिए लोगों के मन में तैर रहे संदेहों का निवारण किया जाना चाहिए। ऐसा ना होने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं, जिनकी ओर नेता विपक्ष ने भी इशारा किया।

नीतीश और भाजपा का नकाब खिंच गया

बिहार में 15 दिसंबर को एक ऐसी घटना घटी जिसने महिला अस्मिता की रक्षा के गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र दे रहे थे। इस दौरान अपना नियुक्ति पत्र लेने आई महिला डॉक्टर नुसरत परवीन का हिजाब उन्होंने सबके सामने मंच पर ही खींच लिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया और कोई संदेह नहीं कि नीतीश कुमार ने पूरे होशो हवास में हिजाब पहनी महिला का अपमान किया। हिजाब खींचने की अभद्रता की। एक पल को इस घटना को हिंदू–मुस्लिम नजरिए से हटकर देखें तो यह वैसा ही कुकृत्य है मानो किसी महिला का घूंघट उसकी अनुमति के बिना उठा देना या किसी का दुपट्टा खींच देना। हद तो यह है कि इस घटना पर माफी मांगना तो दूर नीतीश कुमार या उनकी पार्टी जेडीयू या उनकी सहयोगी भाजपा ने अब तक इस पर अफसोस तक नहीं जताया है। बल्कि इसे मामूली घटना बताकर चलता किया जा रहा है। मुख्यमंत्री को बचाने के लिए कहा जा रहा है कि वे यह देख रहे थे कि जिसे नियुक्ति पत्र मिल रहा है, वह सही व्यक्ति है या नहीं। इससे ज्यादा लचर तर्क नहीं हो सकता, क्योंकि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में जाने से पहले बाकायदा कई स्तरों पर सुरक्षा होती है, पहचान पत्र देखे जाते हैं और जिन्हें नियुक्ति पत्र मिलना था, वो कौन हैं, इसकी भी शिनाख्त हुई होगी।

अगर नीतीश कुमार को फिर भी पड़ताल करनी थी, तो वे नुसरत परवीन को हिजाब हटाने को कह सकते थे, लेकिन खुद बढ़कर हिजाब खींचना अक्षम्य है।दूसरी तरफ उत्तरप्रदेश में केबिनेट मंत्री संजय निषाद ने तो नीतीश कुमार के बचाव में कह दिया कि बुर्का उतरने पर इतना बवाल हो गया, अगर कहीं और छू देते तो क्या होता। वो भी तो आदमी ही है ना। संजय निषाद के इस बयान पर भी विपक्ष ने आपत्ति दर्ज कराई है। समाजवादी पार्टी की नेता सुमैया राणा ने इस टिप्पणी को आपत्तिजनक बताते हुए लखनऊ के कैसरबाग थाने में नीतीश कुमार और संजय निषाद दोनों के खिलाफ शिकायत दर्ज करा दी। जिसके बाद संजय निषाद का कहना है कि उनकी बात को गलत संदर्भों में लिया गया। वे तर्क दे रहे हैं कि भाषा पर पूर्वांचल के प्रभाव से उनकी बात को गलत समझा लिया गया। मान लें कि संजय निषाद को ठीक तरीके से नहीं समझा गया, लेकिन हिजाब खींचने को उन्होंने गलत नहीं माना, यह तो जाहिर ही है।संजय निषाद ने कहा है कि इस मामले पर राजनीति की जा रही है। नीतीश कुमार के काम को जनता जानती और समझती है। जनता बार–बार उन्हें समर्थन दे रही है और मुख्यमंत्री बना रही है। उन्होंने जो काम किया है, वह जनता के सामने है। आगे भी जनता ही तय करेगी कि उन्हें समर्थन देना है या नहीं। यानी महिला के अपमान पर आपत्ति जताने को राजनीति कहा जा रहा है। और बार–बार जीतने या 10 बार मुख्यमंत्री बन जाने का यह अर्थ कतई नहीं है कि नीतीश कुमार को किसी के भी साथ, कैसा भी व्यवहार करने की छूट मिली है। जीत किसी को भी मर्यादा भंग करने की इजाजत नहीं देती।नीतीश कुमार ने पहली बार महिला विरोधी कार्य नहीं किया है। विधानसभा के भीतर उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की अभद्र तरीके से आलोचना की थी, इससे पहले जब वे राजद के सहयोग से मुख्यमंत्री थे, तब नवंबर 2023 में राज्य विधानसभा में जनसंख्या नियंत्रण और महिला शिक्षा के महत्व पर बोलते हुए उन्होंने विवादित बयान दिया था। उस समय उनके विरोध में बैठी भाजपा ने नीतीश कुमार के बयान को शर्मनाक और भद्दा बताते हुए माफी की मांग की थी, लेकिन आज भाजपा को नीतीश कुमार की हरकत पर कोई शर्मिंदगी नहीं है। महिला आयोग भी इस मुद्दे पर चुप है। कम से कम इन पंक्तियों के लिखे जाने तक राष्ट्रीय महिला आयोग या राज्य महिला आयोग ने नीतीश कुमार पर कोई एक्शन नहीं लिया है।वहीं इस घटना की पीड़ित डॉक्टर नुसरत ने सरकारी नौकरी न करने का फैसला किया है। और घटना के अगले दिन ही वे बिहार छोड़कर कोलकाता चली गई हैं। उनके भाई ने बताया कि, इउसने नौकरी न करने का पक्का मन बना लिया है। लेकिन, मैं और परिवार के सभी लोग उसे अलग–अलग तरीकों से मनाने की कोशिश कर रहे हैं। हम उसे यह भी समझा रहे हैं कि यह गलती किसी और की है। हमारा कहना है कि किसी और की गलती के लिए उसे क्यों बुरा महसूस करना चाहिए या तकलीफ उठानी चाहिए।ब बता दें कि डॉक्टर नुसरत परवीन के पति एक कॉलेज में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के तौर पर काम करते हैं। नुसरत परवीन ने कहा कि मैं यह नहीं कह रही हूं।

खाड़ी में रणनीतिक बढ़त हासिल कर भारत ने जमाई अपनी धाक

नीरज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ओमान की राजधानी मस्कट में उस समय ऐतिहासिक सम्मान मिला, जब सुल्तान हैथम बिन तारिक ने उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ ओमान' से अलंकृत किया। यह केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक हैसियत पर मुहर थी। हम आपको बता दें कि पीएम मोदी यह सम्मान पाने वाले दुनिया के उन गिने–चुने नेताओं में शामिल हो गए हैं, जिनमें महारानी एलिजाबेथ, नेल्सन मंडेला और जापान के सम्राट अकिहितो जैसे नाम शामिल हैं। यह सम्मान ऐसे समय मिला है जब भारत और ओमान अपने कूटनीतिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा उनके तीन देशों के दौरे यानि जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की अंतिम कड़ी थी, लेकिन महत्व के लिहाज से शायद यह यात्रा सबसे भारी थी। मस्कट पहुंचने पर प्रधानमंत्री को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, जो भारत के प्रति ओमान के सम्मान और भरोसे को साफ दर्शाता है। इस दौरे की सबसे बड़ी उपलब्धि रही भारत–ओमान व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता जिसने द्विपक्षीय संबंधों को एक नई ऊंचाई दी। यह समझौता इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि इसमें पहली बार भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों यानि को औपचारिक रूप से शामिल किया गया है। ओमान ने आयुष सेवाओं और उत्पादों के लिए अपने बाजार के दरवाजे खोल दिए हैं, जिससे खाड़ी क्षेत्र में भारत की सॉफ्ट पावर को जबरदस्त बल मिलेगा। इसके अलावा, दोनों देशों ने संयुक्त दृष्टि दस्तावेज को अपनाया और समुद्री विरासत, वैज्ञानिक अनुसंधान, कौशल विकास, कृषि, नवाचार और व्यापार जैसे क्षेत्रों में कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। 'मैत्री पर्व' कार्यक्रम में प्रवासी भारतीयों और छात्रों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने भारत को "तेज फैसले लेने वाला, समयबद्ध परिणाम देने वाला और वैश्विक मॉडल बनता देश" बताया। देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी को मिला 'ऑर्डर ऑफ ओमान' सिर्फ एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, यह उस नए भारत की अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति है जो अब झिझकता नहीं, बल्कि शर्तें तय करता है। बीते एक दशक में मोदी सरकार ने विदेश नीति को औपचारिकताओं से निकालकर रणनीति, व्यापार और सामरिक हितों की ठोस जमीन पर उतारा है। ओमान इसका ताजा उदाहरण है। हम आपको बता दें कि ओमान भले ही आकार में छोटा देश हो, लेकिन उसका सामरिक महत्व विशाल है। अरब सागर और हिंद महासागर के संगम पर स्थित ओमान, हॉर्मुज जलडमरूमध्य के पास है, जहां से दुनिया के एक बड़े हिस्से का तेल व्यापार गुजरता है। ऐसे में भारत और ओमान के रिश्ते केवल

व्यापारिक नहीं, बल्कि गहरे सामरिक और सुरक्षा आयाम रखते हैं। इसके अलावा, के जरिये भारत ने साफ संकेत दिया है कि वह खाड़ी क्षेत्र में केवल ऊर्जा का उपभोक्ता बनकर नहीं रहना चाहता, बल्कि निवेश, स्वास्थ्य, तकनीक और नवाचार का भागीदार बनना चाहता है। आयुष को समझौते में शामिल करना भारत की सभ्यतागत ताकत का प्रदर्शन है। यह संदेश है कि भारत अब केवल दवाइयां नहीं, जीवनशैली भी निर्यात करेगा इसके अलावा, रक्षा और समुद्री सुरक्षा के मोर्चे पर ओमान भारत का भरोसेमंद साथी रहा है। भारतीय नौसेना को ओमान के बंदरगाहों तक रणनीतिक पहुंच, हिंद महासागर में भारत की निगरानी क्षमता को कई गुना बढ़ाती है। चीन जिस तरह से इस क्षेत्र में 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति के तहत अपने पैर पसार रहा है, उसके मुकाबले भारत–ओमान साझेदारी एक सटीक और संतुलित जवाब है। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा एक और संदेश देता है कि भारत अब अपनी प्रवासी भारतीय आबादी को केवल भावनात्मक पूंजी नहीं, बल्कि कूटनीतिक शक्ति मानता है। ओमान में बसे भारतीय दशकों से दोनों देशों के बीच सेतु का काम कर रहे हैं और मोदी सरकार ने इस सेतु को नीति का हिस्सा बनाया है। कुल मिलाकर, ओमान में मिला सम्मान, पर हस्ताक्षर और रणनीतिक संवाद, तीनों मिलकर यह साबित करते हैं कि भारत अब वैश्विक मंच पर अनुगामी नहीं, निर्णायक भूमिका में है। यह कूटनीति दिखावे की नहीं, परिणाम देने वाली है। और यही वजह है कि आज जब प्रधानमंत्री मोदी को सम्मान मिलता है, तो वह केवल व्यक्ति का नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास का सम्मान होता है।

राष्ट्रीय चुनावों के लिए तैयार हो रहा है नेपाल

नित्य

भ्रष्टाचार के उन्मूलन और अधिकारों की सुरक्षा से संबंधित कुछ प्रमुख मुद्दों पर जनमत संग्रह कराने के लिए बातचीत हुई। उम्मीद है कि कार्की जल्द ही इस जनमत संग्रह के मुद्दे पर फैसला लेंगी। अगर वह इसे मंजूरी देती हैं, तो यह फिर से वही होगा जो बांग्लादेश में हो रहा है। 12 फरवरी, 2026 को बांग्लादेश में, राष्ट्रीय चुनावों के साथ–साथ जनमत संग्रह पर भी वोटिंग होगी। क्या बांग्लादेश का चुनाव से पहले का माहौल नेपाल में दोहराया जा रहा है, जो इस साल सितंबर के दूसरे सप्ताह में देश के जेनरेशन जेड (जेन–जेड) द्वारा सत्ताधारी के.एस. ओली सरकार के खिलाफ दो दिन के विद्रोह का केंद्र था? बड़े संकेत इसी ओर इशारा कर रहे हैं, एकमात्र अंतर यह है कि बांग्लादेश में छात्र प्रदर्शनकारियों की अपनी नौ महीने पुरानी पार्टी है, लेकिन काठमांडू में, जेन–जेड के नेता और उनके मार्गदर्शक अभी भी बिना किसी औपचारिक पार्टी आधार के चुनाव लड़ने की बात कर रहे हैं।29 लाख की आबादी वाले देश नेपाल में सितंबर के विद्रोह के तीन महीने से ज़्यादा समय बाद, अगले साल 5 मार्च को चुनाव कराने की सभी तैयारियां कर ली गई हैं। चुनाव आयोग ने 19 लाख मतदाताओं की सूची तैयार की है और 114 राजनीतिक पार्टियों को चुनाव लड़ने के लिए योग्य पंजीकृत किया गया है। लेकिन आखिरकार, पिछले दो दशकों से हिमालयी देश पर शासन करने वाली स्थापित राजनीतिक पार्टियों ही आने वाले चुनावों में मायने रख रही हैं, विद्रोह करने वाले जेन–जेड युवाओं की ओर से पुराने सत्ता प्रतिष्ठान को चुनौती देने के लिए कोई मजबूत राजनीतिक गठबंधन सामने नहीं आया है, जिन्होंने दो दिनों के बड़े विरोध प्रदर्शनों के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री के.एस. ओली को इस्तीफा देने के लिए मजबूर करके इतिहास रचा था।इसी तरह बांग्लादेश में, जुलाई 2024 के विद्रोह के छात्र प्रदर्शनकारियों द्वारा स्थापित नेशनल सिटीजन्स पार्टी (एनसीपी), मौजूदा चुनाव अभियान में कोई प्रभाव डालने में विफल रही है, जबकि बीएनपीऔर जमात–ए–इस्लामी जैसी स्थापित पार्टियां हावी हैं, क्योंकि 12 फरवरी को होने वाले राष्ट्रीय चुनाव नजदीक आ रहे हैं। नेपाल में, प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को जेन–जेड प्रदर्शनकारियों ने अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभालने के लिए चुना था, ठीक वैसे ही जैसे 8 अगस्त 2024 को छात्र प्रदर्शनकारियों ने मुहम्मद यूनुस को बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में काम करने के लिए चुना था।अब नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री खुद थोड़ी निराश हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि सरकार में भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए राजनीति में नए चेहरों के आने की संभावनाएं धूमिल हैं। उन्होंने इस उम्मीद के साथ प्रधानमंत्री का पद संभाला था कि नेपाल के सर्वोच्च न्यायालय में अपने पूरे करियर में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाली होने के नाते, वह भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन सुनिश्चित करने के बाद अपना अंतरिम पद छोड़ देंगी, लेकिन हाल के दिनों में, वह पारदर्शिता पर आधारित और भ्रष्टाचार से मुक्तनए नेपाल के उदय के बारे में उम्मीद खो रही हैं। हाल ही में उन्होंने आने वाले राष्ट्रीय चुनावों से पहले भ्रष्टाचार और कार्यकर्ताओं की मांगों पर चर्चा करने के लिए नागरिक सुरक्षा अभियान टीम के साथ एक बैठक की।भ्रष्टाचार के उन्मूलन और अधिकारों की सुरक्षा से संबंधित कुछ प्रमुख मुद्दों पर जनमत संग्रह कराने के लिए बातचीत हुई। उम्मीद है कि कार्की जल्द ही इस जनमत संग्रह के मुद्दे पर फैसला लेंगी। अगर वह इसे मंजूरी देती हैं, तो यह फिर से वही होगा जो बांग्लादेश में हो रहा है। 12 फरवरी, 2026 को बांग्लादेश में, राष्ट्रीय चुनावों के साथ–साथ जनमत संग्रह पर भी वोटिंग होगी। नेपाल में भी, अगर प्रधानमंत्री कार्की जनमत संग्रह के प्रस्ताव को मंजूरी देती हैं, तो 5 मार्च को ही जनमत संग्रह पर मतदान हो सकता है। नेपाल की वर्तमान संसद में 334 सदस्य हैं – निचले सदन में 275 और ऊपरी सदन में 59 सदस्य। राजशाही खत्म होने और लोकतंत्र शुरू होने के बाद से देश में गठबंधन सरकार का चलन है। 2022 के चुनावों में, 89 सीटों के साथ नेपाली कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन पिछली सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार का नेतृत्व नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) के प्रधानमंत्री के. एस.आर. ओली कर रहे थे, जिन्हें नेपाली कांग्रेस और कुछ अन्य पार्टियों का समर्थन प्राप्त था। सीपीएन (यूएमएल) एक और कम्युनिस्ट पार्टी है जो पिछले चुनावों में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी थी। कम्युनिस्ट पार्टियों के बीच फूट ने नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता में बहुत योगदान दिया।अभी तक, वही पार्टियां सामने आई हैं और प्रचार कर रही हैं। 2022 के तर्ज पर गठबंधन की बात हो रही है, लेकिन अभी तक इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। सभी पार्टियों में अंदरूनी समस्याएं हैं। नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व पर कई वरिष्ठ नेताओं द्वारा सवाल उठाए जा रहे हैं, जबकि के.एस. ओली से पिछले सम्मेलन में इस्तीफा देने के लिए कहा गया था, लेकिन वह असंतोष से निपटने में कामयाब रहे और फिर से नेता बनकर उभरे। कुल मिलाकर, सात पार्टियों को राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त है और गठबंधन सरकारें उनके इर्द–गिर्द घूम रही हैं। मंजूर पार्टियों में से लगभग पांचवां हिस्सा नई हैं, जिनमें से कई युवा कार्यकर्ताओं द्वारा पंजीकृत की गई हैं, जिन्होंने इस साल सितंबर में नेपाल को हिला देने वाले भ्रष्टाचार विरोधी विरोध प्रदर्शनों में प्रमुख भूमिका निभाई थी। लेकिन समस्या यह है कि इन सभी छोटी पार्टियों ने अभी तक चुनाव की लड़ाई के लिए संगठन नहीं बनाए हैं। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि जेन–जेड के सक्रिय सदस्यों की ये पार्टियां चुनाव से पहले गठबंधन करेंगी। जेन–जेड ने सितंबर के विरोध प्रदर्शन के दौरान बेरोजगारी की समस्या के बारे में बड़े पैमाने पर बात की थी, लेकिन अब तक वे इस संकट से निपटने के लिए कोई पक्की योजना नहीं बना पाए हैं। वर्ल्ड बैंक के ताजा आंकड़े एक चौंकाने वाली तस्वीर पेश करते हैंः नेपाल के 82 प्रतिशत कार्यबल का इस्तेमाल अनौपचारिक रूप से किया जाता है, और 2024 में देश की प्रति व्यक्ति जीडीपी सिर्फ +1,447 थी। लाखों नेपालियों के लिए, ये सिर्फ आंकड़े नहीं हैं – ये उनकी रोज की सच्चाई है। अभी भी समय है। यह देखना होगा कि क्या जेन–जेड नेता अपनी मंजूर पार्टियों के बीच कोई साझा न्यूनतम कार्यक्रम बना पाते हैं और स्थापित राजनीतिक पार्टियों से लड़ने के लिए अपनी ताकतों को इकट्ठा कर पाते हैं, जिनके पास अच्छी तरह से काम करने वाली चुनावी मशीनरी है? सिटीजन काउंसिल के कुछ वरीय नेता और साथ ही प्रधानमंत्री सुशीला कार्की भी एक ऐसे ग्रुप के गठन में दिलचस्पी रखते हैं जो सितंबर के विद्रोह के दौरान उठाई गई मांगों के आधार पर 5 मार्च के चुनाव लड़ेगा। अगर एकता की यह कोशिश सफल होती है, तो जेन–जेड से पारंपरिक राजनीतिक पार्टियों को कड़ी टक्कर मिलने की कुछ संभावना है।

एक सामाजिक और भावनात्मक दस्तावेज तेरे इश्क में

पंकज दुबे

फिल्म का मूल संघर्ष प्यार और ऑब्सेशन की वह महीन रेखा है, जिसे पार करते ही प्रेम विष में बदल जाता है।ज इस फिल्म की कहानी में आधुनिक रिश्तों में इमोशन की एक दिलचस्प यात्रा है। तब प्यार किस तरह की कसौटी से गुजरता है जब दो प्यार करने वालों के रिश्ते में इमोशनल बैगेज, पास्ट ट्रॉमा, क्लास डिफरेंस और समाज की उम्मीदें मिल जाती हैं? आज के शसिने–सोहबतत्य में ताजातरीन फिल्म शतेरे इश्क मेंय के बारे में विमर्श करते हैं। आनंद एल राय के निर्देशन में बनी ये फिल्म सिर्फ एक रोमांटिक ड्रामा नहीं, बल्कि एक प्रायोगिक प्रेम कहानी की कोशिश है जो प्यार, जुनून, क्लास डिवाइड, मनोविज्ञान और सामाजिक संरचनाओं के बीच जुझारू रिश्तों की परतों को उजागर करना चाहती है। शतेरे इश्क मेंय सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक सामाजिक और भावनात्मक दस्तावेज भी है। फिल्म का मूल संघर्ष प्यार और ऑब्सेशन की वह महीन रेखा है, जिसे पार करते ही प्रेम विष में बदल जाता है। फिल्म का हीरो शंकर (मुख्य अभिनेता धनुष) सिर्फ एक प्रेमी नहीं, बल्कि एक ऐसा व्यक्ति है, जिसने अपने बचपन, अकेलापन और निजी असुरक्षाओं को प्यार के माध्यम से सुलझाने की कोशिश की। बाद में जब प्यार के साथ जुनून, पजेसिवनेस और असुरक्षा जुड़ते हैं, तो वह टॉक्सिक हो जाता है। दूसरी ओर, महिला किरदार मुक्ति (कृति सेनन) जो कि एक एक पढ़ी लिखी, मनोविज्ञान की छात्रा है, शुरुआत में इस रिश्ते को महज एक प्रयोग के रूप में देखती है। उसके लिए यह प्रेम नहीं, शोध हैरू कॉन्सेप्ट ऑफ वायोलेंस एज डिजीज। धीरे धीरे, जब शंकर की भावनाएं प्रेम में बदल जाती हैं, तो मुक्ति की तार्किकता, समानुभूति और अकादमिक समझ उस जुनूनी प्यार के आगे लड़खड़ा जाती है। इस फिल्म की कहानी में आधुनिक रिश्तों में इमोशन की एक दिलचस्प यात्रा है। तब प्यार किस तरह की कसौटी से गुजरता है जब दो प्यार करने वालों के रिश्ते में इमोशनल बैगेज, पास्ट ट्रॉमा, क्लास डिफरेंस और समाज की उम्मीदें मिल जाती हैं? शतेरे इश्क मेंय, इस संघर्ष को सिर्फ संवादों तक सीमित नहीं रखती। उसके नजरिए, कैमरा वर्क, एडिटिंग, लोकेशन सब मिलकर बताते हैं कि ऑब्सेसिव प्रेम केवल आतंरिक नहीं है, बल्कि वह सामाजिक संरचना, हमारे बड़े होने के तरीके, माहौल और बचपन के किसी जख्म का परिणाम भी हो सकता है। शतेरे इश्क मेंय मनोवैज्ञानिक जटिलताओं और इमोशनल ट्रॉमा जैसी अवधारणाओं के संदर्भ में प्रेम कहानी के साथ एक जरूरी प्रयोग किया गया है। शुरुआत में, नायिका मुक्ति मनोविज्ञान के रिसर्च करती है। वह मानती है कि हिंसा एक बीमारी की तरह है जिससे उचित थेरेपी, काउंसलिंग, एम्पथी द्वारा निजात मिल सकती है। यह एक साहसिक कदम है क्योंकि हिंदी फिल्मों में अक्सर मनोवैज्ञानिक परतों को काफी सतही रखा जाता है, लेकिन हिमांशु शर्मा और नीरज यादव की इस पटकथा ने पहली बार उसे केंद्र में रखा है। ये फिल्म हमें सवाल देती है कि क्या बॉलीवुड अभी ऐसी कहानियों को जिम्मेदारी से पेश करने को तैयार है, जो मनोवैज्ञानिक यथार्थवाद के साथ हों या फिर वह सतही मेलोड्रामा की ओर लौट जाती है? ये फिल्म सिर्फ दो व्यक्तियों के बीच का इश्क नहीं दिखाती, बल्कि यह उनकी सामाजिक, आर्थिक पृष्ठभूमि, क्लास डिवाइड्स और आइडेंटिटी क्राइसिस को भी रेखांकित करती है। शंकर और मुक्ति का प्रेम कॉलेज से शुरू होकर जिंदगी के कई जटिल पक्षों तक जाता है जिसमें प्यार को सिर्फ व्यक्तिगत अहसास ही नहीं, बल्कि सामाजिक संघर्ष की रीढ़ बनना पड़ता है। ऐसे सेट अप में, किरदारों का चयन, उनकी प्रतिक्रिया, उनके संघर्ष सिर्फ भावनात्मक नहीं, बल्कि सामाजिक दबाव और पहचान के संकट से भी प्रभावित होती हैं। फिल्म ये दिखाने की कोशिश करती है कि प्यार के फैसले व्यक्तिगत नहीं, सामाजिक होते हैं। संगीतकार एआर रहमान ने अपने संगीत के जरिए फिल्म को भावनात्मक लेयरिंग देने की कोशिश की है जो काफी प्रभावी हैं। इस फिल्म के सभी गानों के गीतकार हैं इरशाद कामिल। शतेरे इश्क मेंय सिनेमाई और सामाजिक दृष्टि से एक मिश्रित अनुभव है। यह एक साहसी फिल्म है जो प्रेम कहानी के बहाने समाज के मनोविज्ञान टटोलने की कोशिश तो करती ही है, साथ ही मनोरंजन से ऊपर उठ कर विवाद, विमर्श, इंट्रोस्पेक्शन की ओर भी बढ़ती है। अगर आज हमारा बॉलीवुड और समाज उन कहानियों को देखना चाहता है जो सिर्फ खुश होने वाले नहीं, बल्कि कॉम्प्लिकेटेड और रियलिस्ट रिश्तों पर आधारित हों तो शतेरे इश्क मेंय एक शानदार कोशिश है। प्यार की पुरानी परिभाषाएं बदल रही हैं और शतेरे इश्क मेंय इन बदलते रियलिटीज को पर्दे पर ला रही है। लेकिन बदलाव सिर्फ दिखाना ही पर्याप्त नहीं उसे संभालने के लिए समझ, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी जरूरी है। ये फिल्म समाज में कई जरूरी मुद्दों पर खुली चर्चा और आत्म निरीक्षण की जरूरत पर विमर्श की बखूबी शुरुआत करने में समर्थ है। जाहिर है फिल्में सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि मानसिकता, सामाजिक दृष्टिकोण और नजरिए बदलने का जरिया भी हो सकती हैं। कई बार ये फिल्म इस बात की याद भी दिलाती है कि इसी टीम ने शरांझणाय बनाई थी और कहीं न कहीं दर्शक इसकी तुलना उस फिल्म से भी करते हुए नजर आ सकते हैं लेकिन अगर बारीकी से देखा जाए तो इसमें आज के दौर में रिश्तों की छटपटाहट को काफी सावधानी से प्रस्तुत किया गया है। आनंद एल राय की दो फिल्मों, शतेरे इश्क मेंय और शरांझणाय में उनके फिल्म बनाने के दृष्टिकोण की परस्पर तुलना करना रोचक है। रांझणा (2013) एक क्लासिक प्रेमकथा है, जिसमें ग्रामीण पृष्ठभूमि, सामाजिक बाधाएं और शिक्षा के महत्व को दिखाया गया है। इस फिल्म में डीटेल्ड कैरेक्टर बिल्डिंग और यथार्थवादी संवाद प्रमुख हैं। कहानी में प्रेम, संघर्ष और व्यक्तिगत विकास का मिश्रण दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ता है। अभिनय में दीपिका पादुकोण और दिव्यांशु राठौड़ की रियलिस्टिक प्रस्तुति फिल्म की ताकत है। वहीं शतेरे इश्क मेंय आधुनिक शहरी रोमांस की कहानी प्रस्तुत करती है। इसमें शहरी प्रेम की जटिलताओं, रिश्तों में गतिशीलता और डिजिटल युग की सामाजिक असमानताओं को उभारा गया है। कहानी में भावनाओं की तीव्रता और रोमांटिक ड्रामा को हाई–टेक विजुअल्स और युवा–उन्मुख संगीत के माध्यम से संवेदनशीलता दी गई है। धनुष और कृति सेनन की केमिस्ट्री फिल्म को युवा दर्शकों के लिए आकर्षक बनाती है। जहां शरांझणाय संवेदनशील, धीमी–धीमी और भावनात्मक रूप से मजबूत है, वहीं शतेरे इश्क मेंय तीव्र, ग्लैमरस और आधुनिक प्रेम पर केंद्रित है। दोनों फिल्मों में प्रेम है, लेकिन शरांझणाय में यह सामाजिक और मानवीय संघर्ष के साथ जुड़ा है, जबकि शतेरे इश्क मेंय व्यक्तिगत और रोमांटिक अनुभव के ईर्द–गिर्द घूमता है। शतेरे इश्क मेंय एक आदर्श फिल्म हो न हो लेकिन वह एक साहसिक, विवादास्पद, मर्मस्पर्शी कोशिश जरूर है जो बॉलीवुड की पारंपरिक प्रेम कहानियों से एक कदम आगे जाती है और दर्शकों, समीक्षकों, समाज सबको सोचने पर मजबूर करती है।

श्री अवध धाम महोत्सव के द्वितीय दिवस पर भजन संध्या एवं पूज्य सत-महत सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।श्री अवध धाम महोत्सव के द्वितीय दिवस पर नगर का वातावरण पूर्णतः भक्तिमय और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत दिखाई दिया। इस अवसर पर भव्य भजन संध्या, पूज्य सत–महत सम्मान समारोह, दीपमाला एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 4 बजे दीपमाला से हुआ, जिसमें प्रभु श्रीराम के जीवन पर आधारित लव–कुश कांड की अद्भुत प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।कार्यक्रम के प्रभारी आकाश मणि त्रिपाठी व किशन प्रजापति के संयोजन में आयोजित इस महोत्सव में बड़ोदरा स्कूल टेंपल के स्वामी किशोर चौतन्य दास प्रभु जी तथा अयोध्या चारुशिला के महाराज उत्तराधिकारी अवधेश शरण महाराज जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। संतों के सान्निध्य में संपन्न यह आयोजन श्रद्धा, भक्ति और संस्कृति का अनुपम संगम बना।अध्यक्ष मोहित महाराज ने संबोधन में कहा कि अवध धाम केवल प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि ही नहीं, बल्कि यह संत–महात्माओं की तपोस्थली भी है। ऐसे आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक चेतना जागृत होती है और युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है।उन्होंने आयोजन समिति को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई दी सायं 6 बजे से आयोजित भजन संध्या ने पूरे पंडाल को भक्तिरस में डुबो दिया। प्रसिद्ध भजन गायक किशन प्रजापति, संदीप चतुर्वेदी, सोनू सांवरिया, विवेक पांडे, रुद्रांश, आलोक यादव, निशा जी तथा कृष्णा पांडे ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। "राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट", "मेरे घर राम आए हैं" जैसे लोकप्रिय भजनों पर श्रद्धालु झूमते और जय श्रीराम के उद्घोष करते नजर आए। भजन संध्या के दौरान पूरा वातावरण राममय हो गया।महोत्सव के अंतर्गत आयोजित पूज्य सत–महत सम्मान समारोह में विभिन्न संतों, महात्माओं, विद्वानों एवं समाजसेवियों को उनके द्वारा समाज, धर्म और संस्कृति के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। मंच से संतों का सम्मान होते ही उपस्थित श्रद्धालुओं ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका अभिनंदन किया।कार्यक्रम में एम आर डी स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। बच्चों ने श्रीराम के आदर्शों, भारतीय संस्कृति और सामाजिक मूल्यों पर आधारित मनोहारी प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। विद्यालय के इस अद्भुत प्रदर्शन ने यह सिद्ध कर दिया कि आज की युवा पीढ़ी भी अपनी संस्कृति से जुड़कर आगे बढ़ रही है।आयोजन के दौरान सुरक्षा, स्वच्छता और व्यवस्थाओं की भी सराहना की गई। आयोजकों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए बैठने, प्रकाश व्यवस्था और ध्वनि प्रणाली की उत्तम व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम देर रात तक चलता रहा और श्रद्धालु भक्ति रस में डूबे रहे। श्री अवध धाम महोत्सव का यह द्वितीय दिवस धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक एकता का प्रतीक बनकर सामने आया। आयोजकों के अनुसार आगामी दिनों में भी विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, प्रवचन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे अवध की पावन भूमि पर भक्ति और श्रद्धा की यह धारा निरंतर प्रवाहित होती रहेगी।

यूपी में घने कोहरे और ठंड का प्रकोप, कई जिलों में स्कूलों का समय बदला, आदेश जारी

लखनऊ, (संवाददाता)। कड़ाके की ठंड को देखते हुए परिषदीय विद्यालयों में समय परिवर्तन किया गया है। बलरामपुर और श्रवास्ती के जिलाधिकारियों ने प्री–प्राइमरी से कक्षा 8 तक संचालित समस्त विद्यालयों के समय में बदलाव किया है। अब जिलों के सभी परिषदीय एवं मान्यता

प्राप्त विद्यालय प्रातः 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक संचालित होंगे। बलरामपुर के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शुभम शुक्ल ने इस संबंध में सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि संशोधित समय–सारिणी की सूचना तत्काल बच्चों और अभिभावकों तक पहुंचाई जाए, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो। निर्देशों में यह भी कहा गया है कि विद्यालय स्तर पर समय परिवर्तन की जानकारी नोटिस बोर्ड, कक्षा शिक्षकों और अभिभावक समूहों के माध्यम से स्पष्ट रूप से साझा की जाए।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की समीक्षा बैठक सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की समीक्षा बैठक में सम्पन्न हुई। बैठक में समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि कुल 6226 आवेदनों के सापेक्ष 3167 आवेदन विभिन्न कारणों से निरस्त किए गए है, जिस पर उन्होने कडीध नाराजगी व्यक्त की। जनपद के लीड बैंक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा अपेक्षित प्रगति न किए जाने पर कडी नाराजगी व्यक्त करते हुए सुधार लाने के निर्देश दिया और एसबीआइ के द्वारा अच्छा कार्य करने पर प्रसंशा की। जिलाधिकारी ने सभी बैंकों के प्रतिनिधियों एवं शाखा प्रबंधकों के साथ विस्तार से चर्चा करते हुए बैंकों को अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त जिन बैंकों एवं शाखा प्रबंधकों द्वारा योजना के अंतर्गत ऋण वितरण हेतु प्रभावी कार्य नहीं किया जा रहा है, उन्हें चेतावनी देते हुए निर्देशित किया गया कि वे शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि सभी बैंक एवं सभी शाखाएं सक्रिय सहभागिता निभाते हुए शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना को सफल बनाने में अपना पूर्ण योगदान दें। सुशासन सप्ताह के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। साथ ही योजना की निरंतर समीक्षा करते हुए अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। बैठक में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सहित अन्य बैंकों को भी योजना के अंतर्गत ऋण वितरण में अपेक्षित प्रगति लाने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, उपायुक्त उद्योग सन्दीप कुमार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समापन

लखनऊ, (संवाददाता)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व और निर्देशन में दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब में सरकारी एवं अर्ध सरकारी विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों और रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को प्रशिक्षण देकर उन्हें दक्ष और सक्षम बनाने का कार्य निरंतर जारी है। इसी कड़ी में संस्थान में दो प्रमुख प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।15 से 17 दिसम्बर तक प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों और संबंधित अधिकारियों के लिए "लर्निंग बाई डूइंग" विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 91 प्रतिभागियों ने भाग लिया। वहीं 15 से 19 दिसम्बर तक सचिव राहत आयुक्त, उत्तर प्रदेश के सहयोग से राजस्व, पुलिस और अग्नि शमन विभाग के अधिकारियों के लिए "हॉस्पिटल आपदा प्रबंधन एवं योजना निर्माण" विषयक पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया।बुधवार को दोनों कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को संस्थान के बुद्धा सभागार में आमंत्रित किया गया, जहां महानिदेशक एल. वेंकटेश्वर लू की अध्यक्षता में समापन समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर डॉ. किशन वीर सिंह शाक्य, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं पूर्व वरिष्ठ सदस्य लोक सेवा आयोग, माधव तिवारी, समग्र शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश तथा योगेश कुलकर्णी, निदेशक विज्ञान आश्रम की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में विषयगत वार्ताकारों ने अपने–अपने बिंदुओं पर प्रासंगिक और उपयोगी ।

आपदा में एकजुटता का अभ्यास

लखनऊ, (संवाददाता)। भूकंप या युद्ध के दौरान धराशायी इमारतों में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए एनडीआरएफ ने गुरुवार को सैन्यकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया। छावनी स्थित आर्मी मेडिकल कोर (एएमसी) परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में बचाव कार्य का व्यावहारिक डिमॉन्स्ट्रेशन भी किया गया, जिसमें कुल 400 सैन्यकर्मियों ने सहभागिता की।कार्यक्रम एएमसी के परेड ग्राउंड में हुआ, जहां प्रशिक्षु और रेगुलर सैन्य अधिकारी मौजूद रहे। एनडीआरएफ के उपमहानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा के कुशल निर्देशन में 11 एनडीआरएफ क्षेत्रीय प्रतिक्रिया केंद्र, लखनऊ की टीम ने पूरे अभ्यास का संचालन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एएमसी के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल सिविंदर सिंह रहे। अध्यक्षता ऑफिसर्स ट्रेनिंग कॉलेज के कमांडेंट मेजर जनरल वीके पात्रा ने की।इस अवसर पर 250 प्रशिक्षु सैन्य अधिकारियों और 150 रेगुलर अधिकारियों ने आपदा के समय बचाव कार्य की बारीकियां सीखीं। 40 सदस्यीय एनडीआरएफ टीम का नेतृत्व क्षेत्रीय प्रतिक्रिया केंद्र लखनऊ के प्रभारी उपकमांडेंट अनिल कुमार पाल ने किया, जिसमें पांच अधिकारी और 34 प्रशिक्षित रेस्क्यूर शामिल थे।फर्स्ट एड और त्वरित प्रतिक्रिया पर जोर डिमॉन्सट्रेशन के पहले चरण में एनडीआरएफ टीम ने दुर्घटना या आपदा के दौरान घायलों को त्वरित सहायता देने की प्रक्रिया दिखाई। इसमें एमसीआई ट्रायज, फर्स्ट एड और घायलों को सुरक्षित तरीके से अस्पताल भेजने की संपूर्ण प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप में समझाया गया। दूसरे चरण में भूकंप या युद्धजन्य विस्फोटों से गिरी बहुमंजिला इमारतों में चलाए जाने वाले रेस्क्यू अभियानों की जानकारी दी गई। टीम ने लाइन सर्च, हैलिंग मेथड, तकनीकी उपकरणों और श्वान दलों की मदद से खोजबीन की तकनीकें समझाईं। साथ ही कटिंग उपकरणों के जरिए मलबे में फंसे पीड़ितों तक पहुंचने की प्रक्रिया का भी प्रदर्शन किया गया। एनडीआरएफ द्वारा उपयोग में लाए जाने वाले आधुनिक उपकरणों को सैन्य अधिकारियों के समक्ष प्रदर्शित किया गया।

कोहरे में हो रही दुर्घटनाओं को रोकने को लेकर अलर्ट चलाया जागरूकता अभियान , लगाए स्टीकर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,20 दिसंबर।यूपी के जौनपुर में बढ़ते कोहरे को देखते हुए शासन ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यूपी के प्रत्येक जनपद में वाहन चालकों को घने कोहरे में लिमिट स्पीड व गाड़ियों में रिफ्लेक्टर लगने के साथ ही नेशनल हाईवे पर घने कोहरे में कई वाहनों को एक साथ एक दूसरे के आगे पीछे कम स्पीड में चलने के लिए जागरूक करने का निर्देश दिया गया है।अभी हाल ही में मथुरा के पास एक्सप्रेस वे पर एक के पीछे एक कई गाड़ियां टकरा गई थी और बड़ी दुर्घटना घटी थी।इस घटना में कई लोगो ने अपनी जाने भी गवाई थी।इसको लेकर जौनपुर–लखनऊ–वाराणसी हाईवे पर सहायक पुलिस अधीक्षक गोल्डी गुप्ता के नेतृत्व में ट्रैफिक पुलिस,स्थानीय थाना पुलिस बल व एनएचआई की टीम के साथ शनिवार को जागरूकता अभियान चलाया।इस संबंध में सहायक पुलिस अधीक्षक गोल्डी गुप्ता ने बताया कि घने कोहरे के कारण या हाईवे किनारे गाड़ियों को खड़ा करने के कारण कई दुर्घटना देखी गयी है,इससे जनहानि हुई है।इसको देखते हुए शासन स्तर से निर्देशित किया है कि पुलिस टीमें हाईवे पर एक्टिव रहकर वाहन चालकों को ओवर स्पीड,रिफ्लेक्टर लगाने के लिए जागरूक करे। स्थानीय पुलिस,ट्रैफिक पुलिस व एनएचआई की टीम द्वारा लगातार रात्रि में भी गस्त करके और अनाउंसमेंट करके लोगो को जागरूक किया जा रहा है।गोल्डी गुप्ता ने बताया कि हाईवे किनारे जितने भी प्रतिष्ठान है उनको नोटिस देकर कहा गया है कि उनकी दुकानों के सामने रात्रि में ट्रक या किसी भी प्रकार के वाहन न खड़े हो।कोहरे की बजह से ये भी दुर्घटनाओं का कारण बनते है।इसके अलावा हमारे पेट्रोलिंग कार व हाईवे एम्बुलेंस या 112 की टीम किसी भी घटना की जानकारी मिलते ही त्वरित पहुंच जाएंगी।जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगो को सुरक्षा दे पाए।स्पीड लिमिट के लिए एनएचआई व ट्रैफिक पुलिस लगातार अनाउंस करके लोगो को सूचित कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

परवावज वादक डॉ. राज खुशीराम को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी परिसर में बृहस्पतिवार को वरिष्ठ पखावज वादक डॉ. राज खुशीराम की स्मृति में शोक सभा हुई। अकादमी के अध्यक्ष प्रो. जयंत खोत और निदेशक डॉ. शोभित कुमार नाहर की उपस्थिति में दो मिनट मौन रहकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह की ओर से भेजे गए संदेश में उन्होंने दिवंगत आत्मा के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की। तबला प्रशिक्षक पवन तिवारी ने बताया कि संगीत नाटक अकादमी अवॉर्डी डॉ. राज खुशीराम का निधन बुधवार को हुआ था। उनका निधन कला जगत के लिए अपूर्णनीय क्षति है। डॉ. राज खुशीराम, लखनऊ घराने के कथक गुरु पं. लच्छू महाराज की पटशिष्या कथक नृत्यांगना स्व. कपिला राज के पति थे। वह भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय में पखावज के अतिथि शिक्षक भी थे। शोक सभा में अकादमी, कथक केंद्र और जयघोष के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रख्यात पखावज वादक डॉ. राज खुशीराम का बृहस्पतिवार को बैकुंठधाम में अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि भतीजे मुनीश खुशीराम ने दी। इस दौरान कानपुर से गायक पं. विनोद कुमार द्विवेदी, अयोध्या से गुरुभाई राजकुमार झा, भाषा पंत, ज्योति किरन, राममोहन महाराज, कमलेश दुबे, हेम सिंह, रत्नेश मिश्र, सुरेंद्र आर्य, कला समीक्षक राजवीर रतन, शिष्य प्रसन्ना, अश्वित आदि मौजूद रहे। जयपुर की ध्रुपद गायिका डॉ. मधु भट्ट तैलंग, वरिष्ठ रंगकर्मी डॉ. अनिल रस्तोगी और गोपाल सिन्हा ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

अभिनेता नवाजुद्दीन पहुंचे बीएनए

लखनऊ, (संवाददाता)। मशहूर अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी बृहस्पतिवार को भारतेंदु नाट्य अकादमी पहुंचे। उन्होंने अकादमी के निदेशक बिपिन कुमार से मुलाकात की। नवाजुद्दीन ने अकादमी परिसर में चल रहे भवन निर्माण कार्यों का अवलोकन किया और विद्यार्थियों की ओर से चल रहे नाटकों की पूर्वाभास की प्रस्तुति भी देखी। नवाजुद्दीन ने अकादमी में हो रहे रचनात्मक कार्यों, शैक्षणिक वातावरण एवं छात्रों की अभिनय प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतेंदु नाट्य अकादमी भारतीय रंगमंच को निरंतर सशक्त दिशा प्रदान कर रही है और यहां से निकलने वाले कलाकार राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने नगर निगम लखनऊ सीमा क्षेत्र में नवनिर्मित राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परियोजना की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया और शेष बचे कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंत्री ने बताया कि यह स्थल लखनऊ नगर के लिए प्रेरणादायी और उदाहरण प्रस्तुत करने वाला केंद्र बनेगा।उन्होंने कहा कि नगर निगम लखनऊ क्षेत्र में वर्ष 2016 तक आईआईएम रोड, घैला स्थित स्थल एकमात्र डंपिंग स्थल था, जहां प्रतिदिन पूरे नगर से उत्सर्जित ठोस अपशिष्ट का परिवहन कर डंप किया जाता था।

शब्द, माहौल, रंग और ताल से रेपर्टवा फेस्टिवल का आगाज

लखनऊ, (संवाददाता)। जनेश्वर मिश्र पार्क में चार दिवसीय रेपर्टवा फेस्टिवल के 13वें सीजन की रंगारंग शुरुआत हुई। शास्त्रीय गायन, रंगमंच और सूफी संगीत से सजी पहली शाम को यहां सजे शब्द, माहौल, रंग और ताल सत्रों ने मनोरंजन से भर दिया। शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन कर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन प्रदेश की सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। शहरवासियों को कला, संस्कृति, संगीत, हास्य और रचनात्मक अभिव्यक्ति के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े देश के प्रख्यात कलाकारों, रचनाकारों और सांस्कृतिक हस्तियों का जमावड़ा देखने को मिलेगा। मंत्री ने आयोजन स्थल का अवलोकन किया। रेपर्टवा के संस्थापक भूपेश राय ने बताया कि साहित्य, व्यंग्य, थियेटर और संगीत क्षेत्र के दिग्गज अलग–अलग सत्र में प्रस्तुति देंगे। किड्स जोन के साथ ही हस्तशिल्प उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगी है। शहरियों ने स्टॉलों पर लखनवी जायके का लुत्फ उठाया। 'शब्द' मंच पर प्रसिद्ध कलाकार चंदुलाल कलबुर्गी ने शास्त्रीय सितार और लोक–फ्यूजन की शानदार प्रस्तुति दी, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। फूड एरीना में लखनवी और आधुनिक व्यंजनों का स्वाद लोगों ने लिया। आर्टिजनल बाजार में कारीगरों के हस्तशिल्प आकर्षण का केंद्र रहे। बच्चों के लिए किड्स जोन खास रहा। दिन का समापन देवेशी सहगल की सूफियाना प्रस्तुति से हुआ, जिसने पहले दिन को यादगार बना दिया। बॉलीवुड एक्टर प्रतीक गांधी के एकल नाटक "मोहन का मसाला" ने दर्शकों को सर्द रात में भी शुरू से आखिर तक बांधे रखा। महात्मा गांधी के शुरुआती जीवन और उनके "मसाले" यानी जीवन के अनुभवों, सिद्धांतों पर आधारित इस नाटक में प्रतीक गांधी ने मोहनदास करमचंद गांधी की भूमिका निभाते हुए गांधी के साधारण जीवन से असाधारण बनने की यात्रा को शानदार अंदाज में पेश किया। मनोज शाह के निर्देशन में इस नाटक में गांधी के डरपोक लड़के से महात्मा बनने तक के सफर, पिता की मृत्यु के समय उनका पश्चाताप और कस्तूरबा से मिली सीख के दृश्य पर लोग भावुक हो उठे।

10 दिवसीय खादी एवं ग्रामोद्योगी प्रदर्शनी–2025 का भव्य आयोजन

लखनऊ, (संवाददाता)। योगी सरकार की स्वदेशी, स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भर भारत की सोच को धरातल पर उतारते हुए उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के तत्वावधान में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गोमती नगर, लखनऊ परिसर में 10 दिवसीय मण्डल स्तरीय खादी एवं ग्रामोद्योगी प्रदर्शनी–2025 का आयोजन किया गया है। यह प्रदर्शनी 18 से 27 दिसंबर 2025 तक आमजन के लिए खुली रहेगी, जिसमें खादी, ग्रामोद्योग और माटीकला से जुड़े कुल 130 स्टॉल लगाए गए हैं।प्रदर्शनी का उद्घाटन वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा जनपद लखनऊ प्रभारी मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने मुख्य द्वार पर फीता काटकर किया। उद्घाटन अवसर पर उन्होंने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न स्टॉलों पर प्रदर्शित उत्पादों की सराहना की। मंत्री खन्ना ने कहा कि खादी भारत की आजादी, स्वदेश और स्वावलंबन का प्रतीक है। महात्मा गांधी ने चर्खे के माध्यम से आमजन को आत्मनिर्भर बनने की दिशा दिखाई थी, जिसका साकार स्वरूप आज योगी सरकार के नेतृत्व में देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में स्वच्छता, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा, स्वरोजगार सृजन और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।प्रदर्शनी में लेदर उत्पाद, भदोही के कालीन, माटीकला से बने बर्तन एवं घरेलू सजावटी सामान, प्रतापगढ़ का आंवला मुरब्बा, वाराणसी की रेशम एवं सिल्क साड़ियां, राजस्थान के बीकानेरी पापड़ व नमकीन, उत्तराखंड के कोट, विभिन्न प्रकार की चादरें तथा हस्तशिल्प आधारित वस्त्र आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। यह प्रदर्शनी न केवल उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण स्वदेशी उत्पाद उपलब्ध करा रही है, बल्कि कारीगरों और उद्यमियों को विपणन का सशक्त मंच भी प्रदान कर रही है।इस अवसर पर खादी बोर्ड के संयुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी सिद्धार्थ यादव, वित्तीय सलाहकार मानवेन्द्र सिंह, परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी अजय पाल, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अवधेश गौतम सहित विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोहरे के बीच अंदाजे पर ही दौड़ रहीं रोडवेज बसें

लखनऊ, (संवाददाता)। कैसरबाग बस अड्डे पर बृहस्पतिवार दोपहर बस (यूपी 41 एटी 2761) बलरामपुर रवाना होने के लिए तैयार थी। इसकी खिड़कियां सही से बंद न होने से सरसराती हवा यात्रियों को परेशान कर रही थी। कोहरे की दस्तक के बावजूद इसमें फॉग लाइट नहीं लगी थी। कोहरे से निपटने का पूरा दारोमदार साधारण हेड लाइटों पर था। बस में रेडियम टेप नहीं लगे थे और वाइपर भी कामचलाऊ था। कुछ ऐसा ही हाल रोडवेज की अन्य बसों का भी दिखा। कोहरे के बीच ये सिर्फ ड्राइवरों के अंदाजे पर ही दौड़ रही हैं। कोहरे से निपटने के लिए बसों में आधारभूत व्यवस्थाएं तक नहीं की गई हैं। ऐसे में यात्रियों की जान पर भी खतरा मंडरा रहा है। फॉग लाइटें न होने से घने कोहरे में बसों का संचालन आसान नहीं होता। जिन बसों की स्टीयरिंग नए ड्राइवरों के हाथों में रहता है, वे कोहरे में ठिठक जाती हैं। इससे सफर पूरा होने में यात्रियों का ज्यादा समय बीत रहा है। कोहरा शुरू होने से पहले ही रोडवेज की बसों की मरम्मत के लिए कार्यशालाओं को निर्देशित किया गया था। बावजूद इसके बसों की हालत में सुधार नजर नहीं आ रहा है। यह हाल कैसरबाग के अलावा आलमबाग, कमता व चारबाग से चलने वाली रोडवेज बसों का भी है। ऐसी बसों की लंबी फेहरिस्त है, जिनमें फॉग लाइटें नहीं लगी हैं। गोला डिपो की बस (यूपी 78 एलएन 9431) व लखनऊ से रवाना होने वाली (यूपी 70 एफटी 1068) में भी फॉग लाइटें नहीं लगी मिलीं। इसके अलावा तमाम बसों में शीशे चिटके मिले। रुपैडिहा जाने वाली बस (यूपी 78 एफएन 2648) का शीशा बंद ही नहीं हो रहा था। इसका वाइपर भी गायब था। रोडवेज बसों में सफर भगवान भरोसे है। बसे फटे टायरों पर दौड़ रही हैं।

मत्स्य विकास विभाग ने विकसित यूपी 2047 विजन डॉक्यूमेंट हेतु दो दिवसीय शिखर सम्मेलन आयोजित किया

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश मत्स्य विकास विभाग ने विकसित यूपी 2047 विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने के उद्देश्य से 17 और 18 दिसम्बर को राष्ट्रीय मात्स्यिकीय आनुवंशिकी संसाधन ब्यूरो, लखनऊ में दो दिवसीय उत्तर प्रदेश मत्स्य विकास एवं निवेश शिखर सम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में देशभर के मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालयों और संस्थाओं के विशेषज्ञ, अधिकारी और मत्स्य के क्षेत्र में निवेश करने वाले लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया।मत्स्य विकास मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य मत्स्य विकास के क्षेत्र में तीव्र प्रगति, उत्पादकता वृद्धि और मूल्य संवर्धन के लिए रणनीतिक हस्तक्षेपों, नीतिगत सहयोग और निवेश के अवसरों पर विचार–विमर्श करना है। वैज्ञानिकों, अधिकारियों और निवेशकों से प्राप्त सुझावों के आधार पर विकसित यूपी 2047 विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जाएगा, जो उत्तर प्रदेश को मत्स्य विकास में अग्रणी राज्य बनाने में मार्गदर्शक सिद्ध होगा।मंत्री ने कहा कि राज्य में मत्स्य विकास हेतु केंद्र की प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, निषादराज बोट सब्सिडी योजना, एयरेटर सहित सघन मत्स्य पालन योजना, मछुआ कल्याण कोष, मछुआ दुर्घटना बीमा योजना और रिवर रैंचिंग जैसी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से मछुआरों और मत्स्य पालकों को रोजगार और सामाजिक–आर्थिक उत्थान के अवसर मिल रहे हैं।प्रमुख सचिव मत्स्य श्री मुकेश मेश्राम ने बताया कि मत्स्य पालन उपयोग हेतु विस्तृत रणनीति और कार्य योजना तैयार की जाएगी। अच्छी मत्स्य प्रजातियों और ब्रूडर्स की उपलब्धता बढ़ाई जाएगी। विशेषज्ञों और निवेशकों के ज्ञान का उपयोग कर विजन 2047 के मार्गदर्शक सिद्धांत बनाए जाएंगे और प्राइवेट सेक्टर को प्रोत्साहित कर उत्पादन और प्रोसेसिंग बढ़ाई जाएगी।सम्मेलन में मत्स्य क्षेत्र को चार समूहों में विभाजित कर गहन विचार–विमर्श किया गया। समूहों ने मत्स्य बीज उत्पादन, मत्स्य उत्पादन, मार्केटिंग एवं प्रोसेसिंग तथा तकनीकी प्रसार एवं हस्तक्षेप के विषयों पर रोडमैप तैयार किया।प्रथम तकनीकी सत्र में मत्स्य बीज उत्पादन, द्वितीय सत्र में तकनीकी प्रसार और हस्तक्षेप, तृतीय सत्र में फिश मार्केटिंग एवं प्रोसेसिंग, और चतुर्थ सत्र में मत्स्य उत्पादन में वृद्धि के वर्तमान और भविष्य के परिदृश्य पर चर्चा हुई। विभिन्न विशेषज्ञों और उद्यमियों ने फिश प्रोसेसिंग, लाइव फिश डिलीवरी, सप्लाई चेन, केज फार्मिंग और फीड प्रबंधन पर विस्तृत प्रस्तुति दी।सम्मेलन में विभाग की योजनाओं और निवेश संभावनाओं का प्रचार पोस्टर, बैनर, स्टॉल, पम्पलेट और मोबाइल लाइव फिश वेंडिंग सेंटर के माध्यम से किया गया।

जीआईसी मैदान पर राष्ट्रीय विद्यालय खो खो प्रतियोगिता का दिखा रंगारंग आगाज,मैदान में दिखा मिनी भारत

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।शनिवार को राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान पर मिनी भारत की झलक दिखाई दी राष्ट्रीय विद्यालय खो–खो प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर देशभर के 1100 खिलाड़ी अपना दम दिखाने के लिए एक साथ मैदान में स्कूल गेम फेडरेशन ऑफ इंडिया के महाकुंभ में खिलाड़ियों का जोश दिखाईदिया।प्रतियोगिता का उद्घाटन आयुक्त राजेश कुमार महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने झंडा रोहन के साथ किया।प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर संयुक्त शिक्षा निदेशक योगेंद्र कुमार सिंह, उप शिक्षा निदेशक कौस्तुभ सिंह जिला विद्यालय निरीक्षक पवन कुमार तिवारी, जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में तैनात प्रदीप कुमार ने अतिथियों को बुके प्रदान कर उनका स्वागत किया।आयुक्त राजेश कुमार द्वारा दीप प्रज्वलन कर आयोजन का आगाज किया।राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की इस अवसर पर यश विद्या मंदिर द्वारा मलखम्ब का शानदार प्रदर्शन किया गया।क्नोसा कान्वेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा राजस्थानी लोक नृत्य प्रस्तुत किया गया। उच्च प्राथमिक विद्यालय बाबा द्वारा फरवरी नेत्र प्रस्तुत किया गया कुसुम वर्मा द्वारा भजन प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर जिला विद्यालय शिक्षक द्वारा अतिथियों का स्वागत करते हुए अयोध्या प्रभु श्री राम की धारा पर खिलाड़ियों का अभिनंदन भी किया। संयुक्त शिक्षा निदेशक ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया।वित्त एवं लेखा अधिकारी अनुपम मंडल के प्रधानाचार्य ओमकार मणि शंकर तिवारी मनोज कुमार तिवारी मंडलीय सचिव धर्मेंद्र सिंह शिवकरण सिंह अभिषेक सिंह विजेंद्र सिंह राजेश प्रताप सिंह सुल्तानपुर जिला सचिव दिलीप सिंह अंबेडकर नगर जिला सचिव अजीत सिंह बाराबंकी जिला सचिव चंदन अस्थान कपिलकांत दुर्ग विजय सिंह दिनेश सिंह आजमगढ़ एसजीएफआई के मैच टूर्नामेंट डायरेक्टर विनोद सिंह सहित खेल अध्यापक और कर्मचारी उपस्थित रहे।प्रत्येक बच्चे को खेल से जोड़ने का अभियान पर काम कर रहे है।राष्ट्रीय विद्यालय खो खो प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए आयुक्त राजेश कुमार ने कहां की राज्य सरकार खेलों के विकास पर काम कर रही है विद्यालय स्तर पर खेलो के लिए प्रदेश में योजनाएं लागू की गई है। विद्यालय के सभी छात्र को खेल से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। राष्ट्रीय विद्यालय खो खो प्रतियोगिता का आयोजन अयोध्या के गौरव और परंपरा को पूरे देश में फैलने का कार्य करेगा।खेलेंगे पढ़ेंगे बढ़ेंगे स्लोगन नहीं संकल्प बने।राष्ट्रीय प्रतियोगिता के शुभारंभ पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता का स्लोगन खेलेंगे पढ़ेंगे बढ़ेंगे को स्लोगन से ऊपर संकल्प के रूप में लिया जाना चाहिए उन्होंने खिलाड़ियों से आवाहन किया कि प्रभु श्री राम की जन्मभूमि पर इस संकल्प के साथ अपने नए भविष्य का आशीर्वाद प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों के विकास और उनके भविष्य को सुधारने के लिए संकल्पित है सरकार खेलों के विकास की योजना पर काम कर रही है। स्कूली खेलों के विजेता खिलाड़ियों को भी सरकार ने नगद राशि देने का कार्य किया है।

माघ मेला 2026: प्रशिक्षण में यातायात, पार्किंग और संचार व्यवस्था की दी गई जानकारी

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या।शनिवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स माघ मेला के त्रिवेणी सभागार में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित अधिकारियोंध्कर्मचारियों को प्रथम कालांश में क्षेत्राधिकारी परेड जगदीश कालीरमन के द्वारा बताया गया की माघ मेले में भीड़ नियंत्रण के लिए ।प्—आधारित सीसीटीवी और 8—स्तरीय आपातकालीन योजना का उपयोग होगा, ताकि श्रद्धालुओं को अलग–अलग रास्तों और होल्डिंग एरिया के जरिए नियंत्रित किया जा सके और भीड़ को सुरक्षित व व्यवस्थित रखा जा सके' द्य एवं द्वितीय कालांश में प्रभारी प्रशिक्षण धर्मेश कुमार त्रिपाठी के द्वारा माघ मेले की भौगोलिक संरचना व पुलिस व्यवस्थापन के बारे में प्रशिक्षित किया गया एवं तृतीय कालांश में यातायात उपनिरीक्षक अवधेश कुमार सिंह के द्वारा प्रमुख मार्गध पार्किंग व्यवस्था के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई द्य 'अंत में प्रशिक्षण के अंतिम कालांश में सहायक रेडियो अधिकारी राहुल सिंह के द्वारा बताया गया की माघ मेले में रेडियो संचार व्यवस्था के लिए वायरलेस सेट, मोबाइल हैंडसेट का इस्तेमाल होता है, जिससे आपातकालीन स्थिति और सुरक्षा व्यवस्था पर पैनी नजर रखी जा सके।इस दौरान प्रशिक्षण में माघ मेला के क्षेत्राधिकारीध्थाना प्रभारीध्शाखा प्रभारी व अन्य कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

पश्चिमी हवा ने बढ़ाई भयानक ठंडक,मार्गों पर आवागमन के अलावा घरों में दुबकने को मजबूर

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या।जिले में शीत लहर के चलते कड़ाके की ठंड बढ़ गई है आज शनिवार के दिन काफी गलन हो रही है पश्चिमी हवा में ठंड को और बढ़ा दिया है लोग ठिठुरन में रहकर घर में ही दुबकने को मजबूर है आज क्षेत्र में कोहरे का प्रकोप कम है लेकिन ठंडक बहुत ज्यादा तेज बढ़ गई है।सबसे ज्यादा परेशान स्कूली बच्चे हैं जो सुबह स्कूल जाने को ठंडक में मजबूर है इस ठंडक ने पशु पक्षियों के भी जीवन को भी बेहाल कर दिया

है। लोग ठंडक में अलाव का ही सहारा लेकर दिनभर अलाव के सामने ही बैठे रहे। सडको पर लोगों का आवा गमन काफी कम दिख रहा है जहां रोड पर दिनभर गाड़ियों का आवागमन लगा रहता था वहां अब कड़ाके की ठंड के चलते आवा गमन भी कम हो गया है।वही ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सीहीपुर राम प्रकाश यादव ने बताया कि पशु शाला पर अलाव की व्यवस्था कर दी गई है और अन्य स्थानों पर भी व्यवस्था कराई जा रही है जिससे ठंडक में किसी भी व्यक्ति को कोई परेशानी ना हो।वहीं क्षेत्र के किसान अरविंद वर्मा संजय पाठक रोशन सिंह नरेंद्र पांडे का कहना है कि कड़ाके की ठंड के चलते किसानो के गेहूं की सिंचाई ना हो पाने के चलते गेहूं की फसल प्रभावित हो रही है ठंडक में लोग घरों में रहने को मजबूर हैं इसलिए गेहूं की सिंचाई भी कम हो पा रही है।

कोहरे के चलते वंदे भारत सहित कई ट्रेनों व बसों के संचालन पर असर पड़ने से यात्री परेशान

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या।ठंड व कोहरे का असर जनजीवन के साथ साथ ट्रेनों व रोडवेज बसों के संचालन पर भी पड़ा है।शनिवार को वंदे भारत जैसे वीआईपी ट्रेन के अलावा आधा दर्जन से अधिक ट्रेने अपने निर्धारित समय से काफी विलंब से चल रही थी।बताते चले कि फरक्का, कैफियत ट्रेनें 9 से 10 घंटे विलंब चल रही थी। इन ट्रेनों के विलंब होने के चलते ट्रेन से सफर करने वाले रेल यात्रियों को इस ठंड में मुसीबत का सामना करना पड़ रहा था।बताते चलें कि शनिवार को ट्रेन संख्या 22246 वंदे भारत 1रू30 घंटे से विलंब से चल रही थी।इसके अलावा गाड़ी संख्या 12226 दिल्ली से आजमगढ़ को जाने वाली कैफियत एक्सप्रेस 10 घंटे से अधिक विलंब चल रही थी। जबकि गाड़ी संख्या 15743 भटिंडा से बालू घाट जाने वाली फरक्का एक्सप्रेस 8 घंटे से देरी से चल रही थी।जबकि सूरत से मुजफ्फरपुर को जाने वाली गाड़ी संख्या 19053 मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस 3 घंटे से अधिक विलंब से चल रही थी।इस कोहरे के चलते गाड़ी संख्या 13008 फिरोजपुर से धनबाद को जाने वाली किसान एक्सप्रेस भी 2 घंटे से अधिक विलंब से चल रही थी।जबकि गाड़ी संख्या 18206 दुर्ग एक्सप्रेस

के अलावा अन्य ट्रेने भी अपने निर्धारित समय से विलंब चल रही थी।इधर से गुजरने वाली इन ट्रेनों के विलंब से चलने के चलते अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर सन्नाटा पसरा हुआ था।क्योंकि मोबाइल ऐप के जरिए स्थानीय लोग इस रेलवे स्टेशन पर नहीं पहुंचे थे लेकिन सबसे अधिक परेशानी उन लोगों को हुआ जो काफी दूर से अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने के लिए आए थे।वहीं उन श्रद्धालुओं को भी इस ठंड में काफी परेशानी का परेशानी का सामना करना पड़ा जिनके होटल का चेक आउट तो हो गया था लेकिन ट्रेन निर्धारित समय पर ना आने के चलते उनको इस ठंड में कैंट रेलवे स्टेशन पर बैठे ठंड से सिकुड़ते हुए नजर आ रहे थे।यही हाल रोडवेज अयोध्या बस स्टेशन का भी था।जहां पर बस यात्री ठंड से कापते हुए दिखाई दिए.स्टेशन मास्टर बृजेश कुमार अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन ने बताया कि कुहरा के चलते ट्रेनों के संचालक पर असर हुआ है। लेकिन कुछ ही ऐसी ट्रेनें हैं जो विलंब से चल रही है।वहीं सहायक प्रबंधक रोडवेज अयोध्या बस स्टेशन आदित्य प्रकाश ने बताया कि कोहरे को देखते हुए सभी बस चालकों को सख्त निर्देश दिए गये हैं कि बस को निर्धारित गति सीमा के अंदर ही सावधानी से चलाएं। जिससे दुर्घटना से बचा जा सके।

तहसील सदर मे आयोजित समाधान दिवस में डीएम ने मौके पर 59 शिकायतों में से 8 का किया निस्तारण

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने तहसील सदर के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।जिलाधिकारी ने समाधान दिवस के दौरान व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक फरियादी की बात ध्यानपूर्वक सुनी और संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे गंभीरता व संवेदनशीलता से जनता की शिकायतों को सुनें और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें।तहसील सदर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान शिकायतकर्ता ग्राम कुम्हिया विकासखंड मया ने भूमि पर अवैध कब्जा व अतिक्रमण हटाने की शिकायत में जिलाधिकारी ने तहसीलदार को मामले की जांच कर न्यायोचित कार्यवाही करने के निर्देश दिये।शिकायतकर्ता ग्राम मड़ना विकासखण्ड पूराबाजार ने चहर दीवार निर्माण के सम्बंध में शिकायत की, जिस पर जिलाधिकारी ने एडीएम(वि०ध्रा०) को जांच करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में शिकायतकर्ता ग्राम दुर्गापुरी जनौरा विकासखण्ड मसौधा ने विद्युत कनेक्शन की शिकायत, शिकायतकर्ता ग्राम तारडीह कछौली विकासखण्ड पूराबाजार ने जमीन विवाद के सम्बंध में व ग्राम तारापुर रजौली नगर निगम ने रास्ता को न निकाले जाने के सम्बंध में शिकायत की है, जिसमें जिलाधिकारी ने उक्त मामलों में तहसीलदार सदर को न्यायोचित जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये।जिलाधिकारी ने सदर सम्पूर्ण समाधान दिवस में आज कुल 59 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 08 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। तहसील दिवस में मुख्यतः भूमि विवाद, राजस्व, सड़क, जल आपूर्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य, राशन, पेंशन आदि से संबंधित अधिकतर शिकायतें प्राप्त हुईं, इसके निस्तारण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध ढंग से निस्तारण के निर्देश दिए गए।सम्पूर्ण समाधान के मौके पर एसडीएम सदर राम प्रसाद त्रिपाठीध्, एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी, सीओ सदर अरविंद सोनकर,सीओ सिटी श्रेयश त्रिपाठी,सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी, बीएसए लाल चंद्र, जिला दिव्यांग जन कल्याण अधिकारी चंद्रेश त्रिपाठी जिला कृषि अधिकारी ओपी मिश्रा सहित विभिन्न विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

आदर्श कॉन्वेंट पब्लिक स्कूल में श्खेलो इंडियाश मे खिलाडियों ने दिखाया उत्साह

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।खेल हमें टीम वर्क अनुशासन और हार जीत के लिए मेहनत करने की सीख देते हैं। शिक्षा के साथ खेल राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम है उक्त विचार आदर्श कांवेट पब्लिक स्कूल राम नगर अमावा सूफी में तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता के शुभारंभ के अवसर पर कार्य क्रम के मुख्य अतिथि जेपी तिवारी ने ब्यक्त किया। अमानीगंज शिक्षा क्षेत्र केध राम नगर, अमावा सूफी के आदर्श कॉन्वेंट पब्लिक स्कूल में श्खेलो इंडियाश अभियान के अंतर्गत तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का रंगारंग आगाज हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जीके फाउंडेशन फॉर जस्टिस के प्रदेश पर्यवेक्षक जे.पी. तिवारी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल भावना के

साथ प्रतियोगिता शुरू करने का आह्वान किया।प्रतियोगिता के शुभारंभ पर विद्यालय के डायरेक्टर आदर्श उपाध्याय ने मुख्य अतिथि एवं अन्य विशिष्ट जनों का माल्यार्पण कर और अंग वस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया। कार्यक्रम के संचालक अक्षय प्रताप सिंह ने अतिथियों को बैच लगाकर सम्मानित किया और खिलाड़ियों को रोली–चंदन का तिलक लगाकर खेल की परंपरा के अनुसार प्रतियोगिता की शुरुआत कराई।तीन दिवसीय आयोजन में कबड्डी, खो–खो, क्रिकेट, लंबी दौड़ के साथ–साथ माला मेकिंग और बनाना गेम जैसे रोचक खेल आयोजित किए जा रहे हैं। इन स्पर्धाओं में स्कूल की दर्जनों टीमें हिस्सा ले रही हैं। इस अवसर पर पत्रकार महेश कुमार तिवारी, भाजपा नेता कृष्ण बिहारी पांडेय, अयोध्या शर्मा, संतोष पांडेय, शिवा सिंह, राम लाल, आदर्श शुक्ल, राजेन्द्र तिवारी, अंशिका पांडेय, साक्षी चौरसिया, नंदनी शुक्ल और शायरा बानो सहित भारी संख्या में ग्रामीण व खेल प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रबंधक राजेश उपाध्याय ने आए हुए सभी अतिथियों, अभिभावकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

अंसल के खिलाफ परिवाद दर्ज, फर्जी बैनामे से भूमि कब्जे के प्रयास पर सीजेएम कोर्ट का सख्त रुख

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, लखनऊ की अदालत ने भूमि से संबंधित एक महत्वपूर्ण प्रकरण में अहम आदेश पारित किया है। न्यायालय ने थाना सुशांत गोल्फ सिटी, लखनऊ से जुड़े मामले में अंसल सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ प्रकरण को परिवाद के रूप में पंजीकृत किए जाने का निर्देश दिया है। प्रकरण संख्या 5842/2025, वासुदेव सिंह बनाम वीरेन्द्र प्रताप सिंह एवं अन्य'' में प्रार्थी द्वारा धारा 173(4) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता'' के अंतर्गत न्यायालय में प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत किया गया था। प्रार्थी का आरोप है कि विपक्षीगण द्वारा उसकी भूमि से संबंधित कथित रूप से ''फर्जी बैनामा तैयार कर अवैध कब्जा करने का प्रयास'' किया गया। प्रार्थी के अनुसार, ''15 जुलाई 2025'' को जब विपक्षीगण द्वारा भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया गया, तभी उसे उक्त फर्जी बैनामे की जानकारी हुई। इसके बाद प्रार्थी ने थाना सुशांत गोल्फ सिटी तथा पुलिस आयुक्त, लखनऊ को लिखित प्रार्थना–पत्र प्रेषित किया, किंतु कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। न्यायालय द्वारा प्रार्थना–पत्र, थाना की आख्या एवं संलग्न अभिलेखों के अवलोकन के उपरांत यह पाया गया कि ''प्रथम दृष्टया मामला संज्ञान योग्य'' है। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा प्रतिपादित विधि सिद्धांतों के आलोक में न्यायालय ने ''दिनांक 10 दिसंबर 2025'' को प्रकरण को परिवाद के रूप में पंजीकृत करने का आदेश पारित किया।

संक्षिप्त खबरें

डीजे व डीएम ने किया मंडल कारागार का निरीक्षण

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या।शनिवार को जिला जज रणंजय वर्मा ने जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बलवंत चौधरी, सचिव जिला विधिक प्राधिकरण व जेल अधीक्षक के साथ जिला कारागार का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिला कारागार में निरूद्ध सभी बन्दियों, पाठशाला रसोई घर में साफ–सफाई व भोजन, पेयजल आदि की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त किया।उन्होंने कारागार में किशोर बैरिक में बच्चों से बातचीत कर अस्पताल में दवाईयों की उपलब्धता व शीतलहर को लेकर अलाव के बारे में जानकारी लिया।

भाजपा सरकार में समाज के किसी भी व्यक्ति का शोषण नहीं होने दिया जाएगा, सभी का सम्मान किया जाएगा :अजीत प्रजापति

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,20। दिसंबर। यूपी के जौनपुर में भारतीय जनता पार्टी के नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति का प्रजापति समाज द्वारा भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह नगर के एक होटल में शनिवार को आयोजित किया गया।जिसमें हजारों की संख्या में प्रजापति समाज के लोगों ने भाग लिया।समारोह को संबोधित करते हुए नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि पार्टी ने एक साधारण कार्यकर्ता पर भरोसा जताया है, और वह उस पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है, उसका निर्वहन वह निष्ठापूर्वक कार्यकर्ताओं के सहयोग से करेंगे। उन्होंने यह भी दोहराया कि वह पहले भी कार्यकर्ता थे और आगे भी इसी रूप में कार्य करते रहेंगे।प्रजापति समाज को संबोधित करते हुए उन्होंने आश्वासन दिया कि भाजपा सरकार में समाज के किसी भी व्यक्ति का शोषण नहीं होने दिया जाएगा और सभी का सम्मान किया जाएगा। इसके साथ ही, उन्होंने मतदाता प्रभार विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (ैप्त) में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।कार्यक्रम का संचालन मछलीशहर के जिला मंत्री डॉ. महेंद्र प्रजापति ने किया। इस अवसर पर प्रजापति समाज के जिलाध्यक्ष राहुल प्रजापति, महासचिव धर्मेंद्र प्रजापति, मोहनलाल प्रजापति, रामपलट प्रजापति, लालजीत प्रजापति, पवन कुमार प्रजापति, गिरीश चंद्र प्रजापति, सभासद बसंत प्रजापति, वीरेंद्र प्रजापति दक्ष सेना, डॉ. प्रशांत कुमार प्रजापति, अंजनी प्रजापति, नेता विनोद प्रजापति, डॉ. आर.के. चक्रवर्ती सहित हजारों की संख्या में प्रजापति समाज के लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में प्रजापति समाज के जिलाध्यक्ष राहुल प्रजापति ने जनपद के कोने–कोने से आए लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह एकता समाज के उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक है।

चकबंदी कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में चकबंदी कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा जनपद में चकबंदी प्रक्रियाधीन 97 गांवों की चकबंदी अधिकारीवार विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होने निर्देशित किया कि अधिक से अधिक वादों का निस्तारण प्राथमिकता पर सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से धारा–9 से संबंधित आपत्तियों के निस्तारण हेतु गांव में कैंप लगाकर समयबद्ध कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि चकबंदी कार्यों में अनावश्यक विलंब न करें तथा सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए प्रगति में तेजी लाएं। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, उप संचालक चकबंदी रामकिशोर, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी शैलेश कुमार पांडेय सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नगर की सरकार आपके द्वार अभियान के तहत महापौर एवं नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।अशोक सिंघल नगर एवं परमहंस रामचंद्र दास वार्ड में जल निकासी का प्रबंध करने के साथ ही सीवर लाइन डाली जाएगी। इसके बाद पेयजल के लिए पाइपलाइन बिछाने का काम पूरा कर गलियों का निर्माण कराया जाएगा। यह वादा महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने श्नगर की सरकार आपके द्वारश अभियान के तहत नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार के साथ भ्रमण के दौरान किया।शनिवार सुबह 8.30 बजे महापौर एवं नगर आयुक्त दीनबंधु अस्पताल के पास पहुंचे और अशोक सिंघल वार्ड के सोना देवी मार्ग से निरीक्षण शुरू किया। उनके साथ पार्षद अंकित तिवारी भी थे। मुख्य मार्ग से जुड़े सोना देवी मार्ग का रैंप कच्चा देखकर महापौर ने नाराजगी जताई और खुले नाले के कॉर्नर में पटिया रखवाने का निर्देश दिया। उन्होंने विराट विश्वकर्मा मंदिर के पास नाली निर्माण का वादा किया। यहां स्थानीय लोगों ने बताया कि नाली क्रॉसिंग के कारण सीवर लाइन बिछाने में कठिनाई हो रही है।महापौर ने समस्या का समाधान कराने का भरोसा दिया। उन्होंने सोतिया नाला निर्माण के लिए भी प्रस्ताव तैयार करने को कहा। महापौर ने सफाई खराब पाए जाने पर नाराजगी जताई और अभियान चला कर सफाई करने को कहा। महापौर में निरीक्षण के दौरान रामदासजी महाराज मंदिर के निकट नाली की टूटी पटिया बदलने का निर्देश दिया। रामपथ पर उन्होंने सोलर लाइट लगाने की योजना बनाने का निर्देश दिया।रामघाट चौराहे पर नाले का कोना खुला पाया गया और अतिक्रमण की शिकायत स्थानीय लोगों ने की। उन्होंने जांच कर समस्या के समाधान करने का निर्देश जोनल अधिकारी को दिया। श्रीराम जन्मभूमि कार्यशाला की ओर बढ़ने पर लगाए गए जल प्याऊ की महापौर ने जांच की तो पानी नहीं आ रहा था। इस पर उन्होंने अवर अभियंता जलकर को तलब कर लीकेज ठीक कराकर पानी सुचारू रूप से उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। नगर आयुक्त ने बिजली विभाग के केवल डालते समय पेयजल की पाइप क्षतिग्रस्त न हो, इस पर निगरानी करने का निर्देश अवर अभियंता जलकर को दिया। उन्होंने कोने पर निर्माणाधीन नाले का भी जायजा लिया।अहिराना पहुंचने पर महापौर ने

शौचालय के सामने मुख्य मार्ग पर सिगनेज लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने गली में पानी का लीकेज ठीक करने का निर्देश दिया और गलियों की मरम्मत का भी वादा किया। यहां सीवर लाइन डालने, पेयजल पाइपलाइन बिछाने के साथ ही गलियों को ठीक करने की आवश्यकता लोगों ने जताई। थोड़ा आगे बढ़ने पर कूड़े का ढेर देखकर महापौर ने कूड़ा निस्तारण के लिए प्लांट लगवाने पर विचार करने का वादा किया। यहां झाड़ू न लगने की शिकायत मिलने पर नगर आयुक्त ने सुपरवाइजर से स्पष्टीकरण तलब करने का निर्देश दिया। लोगों ने नाली टूटी होने की शिकायत की। इस पर नगर आयुक्त ने जांच कराकर ठीक करने का भरोसा दिया। नगर निगम के जनसंपर्क कुमार पांडेय ने बताया कि इसके बाद नगर निगम की टीम परमहंस रामचंद्र दास वार्ड के नया पुरवा स्थित श्रीरामनगर कॉलोनी पहुंची। यहां यदुनाथ के साथ बड़ी तादात में लोग खड़े थे। यहीं पार्षद कृष्ण गोपाल भी पहुंचे।लोगों से बात कर महापौर ने उनकी समस्याएं जानी। नव विकसित हो रही कॉलोनी में सीवर लाइन डालने, लटके तार को ऊंचा करने, पेयजल सप्लाई को पूरी तरह बचाने, नाली निर्माण कराने, स्ट्रीट लाइट लगाने आदि आवश्यकताएं जताई गई। इस पर महापौर ने पहले चरण में सीवर लाइन डलवाने और पेयजल पाइपलाइन बिछाने का भरोसा किया।

कनक किड्स इंटरनेशनल स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर स्थिति ष् कनक किड्स इंटरनेशनल स्कूलष्में शनिवार को विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देना थास कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गौतम थापा (रीजनल मैनेजर एक्सिस बैंक)विशिष्ट अतिथि डॉ. विपिन सिंह लक्ष्मण सिंह एवं सरयू इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन डॉ. संजय तिवारी, कनक किड्स इंटरनेशनल स्कूल की डायरेक्टर डॉ. मधु त्रिपाठी, सरयू इंटरनेशनल स्कूल की प्रिंसिपल सोनल शुक्ला, कनक किड्स की प्रिंसिपल श्रीमती प्रीति सिंह ने भगवती सरस्वती देवी के समक्ष दीप प्रज्वलित किया स कनक किड्स की वाइस प्रिंसिपल आकांक्षा पांडे भी वहां उपस्थित रहीस मुख्य अतिथि का स्वागत कनक किड्स की डायरेक्टर डॉ.मधु त्रिपाठी दुशाला देकर सरयू इंटरनेशनल स्कूल की प्रिंसिपल सोनल शुक्ला एवं कनक किड्स की प्रिंसिपल श्रीमती प्रीति सिंह बुकें देकर, बच्चे बैच पहनाकर अतिथियों का सत्कार कियेस फरजाना फातिमा एवं राधिका पाठक के निर्देशन में कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लियास विद्यार्थियों ने विज्ञान से संबंधित 263 आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक मॉडल प्रस्तुत कियेस जिनमें राजवीर सिंह, स्मार्ट एग्रीकल्चर फार्मिंगध्अंबरीश पांडे स्टेट कैपिटल कंप्यूटर, ध्वनि–न्यूटन क्रैडल, वान्या सोलर सिस्टम, तान्या लेयर ऑफ एटमॉस्फेयरध्आद्रिका सिंह, रेनवाटर हार्वेस्टिंग, एकांश –चंद्रयान 3, अनिका वोल्कानो, रेयांश –सोलर सिस्टम, सौम्या– सेंस ऑर्गन, कर्मवीर पार्ट आफ प्लान , ओजस –सेव अर्थ, शौर्य प्रताप एयर पॉल्यूशन , मान्या साइंस मॉडल, अथर्व रूफटॉप, आध्या विंडमिल, अनिका विंड टरबाइन, वेदांश बर्ड हाउस अलंकार ह्यूमन हार्ट, आराध्या सस्टेनेबल डेवलपमेंट, वाटर मॉडल दिव्यांश, अब्दुल्ला जू, आन्या वाटर साइकिल अन्य विभिन्न मॉडल आधुनिक तकनीक पर आधारित परियोजनाएं प्रमुख रहीस अभिभावकों एवं अतिथियों ने छात्रों के प्रयास की सराहना करते हुए

उनके उज्जवल भविष्य की कामना किएंस अतिथियों एवं डॉ.मधु त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसी गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होती हैं स कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों ष्।ष् वर्ग में प्रथम पुरस्कार अंकिता,स्वरा पांडे , द्वितीय पुरस्कार मान्या बर्मा तृतीय पुरस्कार श्रेया वर्मा और ष्ठष् वर्ग में प्रथम पुरस्कार राजवीर सिंह, वर्चस्व जायसवाल, द्वितीय पुरस्कार अंबरीश पांडे, तृतीय पुरस्कार आद्रिका सिंह अनाया जैद,मीरा दुबे को पुरस्कृत किया गयास विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक रहा स किड्स की अध्यापिकाएं शालू सिंह, अनीता सिंह,अनामिका राव, वंशिका शुक्ला, श्रद्धा ठाकुर,अलका पांडे, साक्षी यादव,अंजली मिश्रा,रिचा आनंद, सीमा, रिंकी सिंह,शिल्पी जायसवाल, प्रियंका राजभर, अजीता, निकिता सहदेव कुशल आयोजन हेतु सहयोग किया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।